वर्ष-3, अंक-253
इन्दौर, गुरुवार
28 नवम्बर 2024
पृष्ठ 8, मूल्य 2 रु.

दैनिक
राष्ट्रीय जनभावना

RNI-MPHIN/2013/53761

इन्दौर प्रधान संपादकः सुनील वर्मा मो.: 9425491979, 7000877686, E-mail: janbhavna.ind@gmail.com

चाणक्य नीति

चाणक्य कहते हैं कि अधिक लाड़ प्यार करने से बच्चों में अनेक दोष उत्पन्न हो जाते हैं। इसलिए यदि वे कोई गलत काम करते हैं तो उसे नजरअंदाज करके लाड़-प्यार करना उचित नहीं है। बच्चे को डाँटना भी आवश्यक है। -चाणक्य

संसद सत्र का दूसरा दिन

अडाणी मुद्दे पर लोकसभा में हंगामा

राहुल बोले- उन्हें जेल में होना चाहिए, सरकार बचा रही

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के शीतकालीन सत्र का आज दूसरा दिन है। लोकसभा में सुबह 11 बजे कार्यवाही शुरू होते ही विपक्ष ने अडाणी मुद्दे पर हंगामा किया। 12 बजे दोबारा कार्यवाही शुरू हुई तो फिर हंगामा हुआ। विपक्ष ने यूपी के संभल में हिंसा का मुद्दा भी उठाया। जिसके बाद लोकसभा और राज्यसभा दोनों को 28 नवंबर तक के लिए स्थगित कर दिया गया। राहुल गांधी ने संसद के बाहर कहा कि अडाणी पर अमेरिका में 2 हजार करोड़ की रिश्वत देने का आरोप है। उन्हें जेल में होना चाहिए। मोदी सरकार उन्हें बचा रही है। दरअसल, 21 नवंबर को यूनाइटेड स्टेट्स अटॉर्नी ऑफिस की ओर से कहा गया था कि अडाणी ने भारत में सोलर एनर्जी से जुड़ा कॉन्ट्रैक्ट हासिल करने के लिए भारतीय अधिकारियों को 265 मिलियन डॉलर (करीब 2200 करोड़ रुपए) की रिश्वत दी या देने की योजना बना रहे थे। इस पर बुधवार को अडाणी ग्रुप ने साफ किया है कि चेयरमैन गौतम अडाणी, उनके भतीजे सागर अडाणी और सीनियर एग्जीक्यूटिव विनीत जैन पर अमेरिका में रिश्वत से जुड़े कोई आरोप नहीं हैं।

अश्लील कंटेंट पर बोले केंद्रीय मंत्री- सख्त कानून बनें

सोशल मीडिया पर अश्लील कंटेंट की जांच करने के लिए कानूनों पर केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने लोकसभा में कहा, हमारे देश और उन देशों की संस्कृति में बहुत अंतर है जहां से ये सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म आए हैं। इसलिए मैं चाहूंगा कि संसद की स्थायी समिति इस मुद्दे को उठाए और इस बारे में सख्त कानून बनाए जाएं। राज्यसभा में हंगामे के बाद सभापति जगदीप धनखड़ ने सदन की कार्यवाही 28 नवंबर तक के लिए स्थगित कर दी। कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे के चैंबर में INDIA गठबंधन के फ्लोर नेताओं की बैठक हुई। इस बैठक में लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी भी मौजूद थे।

अडाणी को सरकार बचा रही

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा, आपको लगता है कि अडाणी आरोपों को स्वीकार करेंगे? जाहिर है कि वह आरोपों से इनकार करेंगे। मुद्दा यह है कि जैसा कि हमने कहा है, उन्हें गिरफ्तार किया जाना चाहिए। सैकड़ों लोगों को छोटे-छोटे आरोपों में गिरफ्तार किया जा रहा है और सज्जन (गौतम अडाणी) पर अमेरिका में हजारों करोड़ रुपये का आरोप है, उन्हें जेल में होना चाहिए और सरकार उन्हें बचा रही है। राज्यसभा में भी विपक्षी सांसदों के हंगाम के बाद सदन की कार्यवाही 11:30 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। लोकसभा में 11 बजे कार्यवाही शुरू होते ही विपक्षी सांसदों ने हंगामा शुरू कर दिया। स्पीकर ओम बिरला ने दोपहर 12 बजे तक कार्यवाही स्थगित कर दी।

संसद में गांधी परिवार के तीन सदस्य

केरल के वायनाड लोकसभा उपचुनाव में प्रियंका गांधी की जीत के बाद लोकसभा में दोबारा कांग्रेस के 99 सांसद हो गए हैं। वायनाड सीट राहुल गांधी ने छोड़ी थी, जबकि नांदेड़ सीट कांग्रेस सांसद बसंतराव चव्हाण के निधन के चलते खाली हुई थी। इन पर हाल ही में उपचुनाव हुए हैं और दोनों ही सीटें कांग्रेस के पास वापस आ गई हैं।

एक्सप्रेसवे पर कार और ट्रक में भिड़ंत, छह की मौत

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के कन्नौज जिले में आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर एक दुखद घटना में कार और ट्रक में टक्कर होने से कम से कम छह लोगों की मौत हो गई और एक घायल हो गया। यह हादसा उस समय हुआ जब तेज रफ्तार कार डिवाइडर तोड़कर ट्रक से जा टकराई। जानकारी के अनुसार, मरने वाले छह लोगों में से पांच पेशे से डॉक्टर थे। पीड़ित सैफई मेडिकल कॉलेज से जुड़े थे और लखनऊ से सैफई लौट रहे थे। यह हादसा तिर्वा कोतवाली क्षेत्र में 196 किलोमीटर के पास हुआ। अधिकारी दुर्घटना के सही कारण का पता लगाने के लिए घटना की जांच कर रहे हैं। यह हादसा बुधवार सुबह करीब 3-43 बजे हुआ। कथित तौर पर चालक को झपकी आने के बाद कार ने नियंत्रण खो दिया और डिवाइडर तोड़कर विपरीत दिशा में जा रहे ट्रक से जा टकराई। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि इस हादसे में पांच डॉक्टरों समेत छह लोगों की मौत हो गई। जयवीर सिंह नामक एक अन्य व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया है और उसका सैफई मेडिकल कॉलेज में इलाज चल रहा है। पुलिस ने मृतकों के परिजनों को सूचित कर दिया है और शवों को शवगृह भेज दिया गया है।

तेलंगाना में मध्याह्न भोजन करने से 22 छात्र बीमार

तेलंगाना (एजेंसी)। तेलंगाना के नारायणपेट जिले के एक सरकारी स्कूल के कम से कम 22 छात्रों को सिरदर्द और पेट दर्द की शिकायत के बाद मंगलवार को अस्पताल में भर्ती कराया गया। अधिकारी इस बात की जांच कर रहे हैं कि कहीं बच्चे स्कूल में परोसे गए मध्याह्न भोजन की वजह से तो बीमार नहीं पड़े हैं। जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ) के अनुसार, प्रभावित छात्रों ने पास की बेकरी और दुकानों से भी खाद्य पदार्थ खरीदकर खाया था, तथा प्रारंभिक जानकारी के आधार पर प्रयोगशाला परीक्षण के लिए वहां से भी नमूने एकत्र कर लिए गए हैं। अधिकारी ने बताया कि मंगलवार को मगनूर के जिला परिषद हाई स्कूल में जिले के अधिकारियों, स्कूल के प्रधानाध्यापक और शिक्षकों के साथ 400 से ज़्यादा छात्रों ने मध्याह्न भोजन किया था लेकिन अपराह्न 3.30 बजे 22 छात्रों को सिर दर्द, पेट दर्द और उल्टी के लक्षण दिखने लगे। अधिकारी ने बताया कि उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां चिकित्सकों ने उपचार के बाद पुष्टि की कि वे सुरक्षित हैं। उल्टी करने वाले एक छात्र ने बताया कि आलू और बैंगन ठीक से नहीं पके थे, जबकि दूसरे को पेट में दर्द था।

रिजल्ट के 4 दिन बाद भी महाराष्ट्र CM तय नहीं

भाजपा कार्यकर्ताओं की मांग फडणवीस ही मुख्यमंत्री बनें, खून से लेटर लिखा

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के रिजल्ट आने के 4 दिन बाद भी मुख्यमंत्री का नाम तय नहीं हो सका। इसके लिए भाजपा आज यहां पर्यवेक्षक भेजेगी, जो विधायकों से रायशुमारी करके ष्टरूके नाम का ऐलान करेंगे।

उधर देवेंद्र फडणवीस को महाराष्ट्र का अगला मुख्यमंत्री बनाने के लिए संभाजी नगर यानी औरंगाबाद में बीजेपी की महिला कार्यकर्ताओं ने खून से लेटर लिखा है। मंगलवार को मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन को अपना इस्तीफा सौंपा। शिंदे 28 जून 2022 से 26 नवंबर 2024 तक ष्टरू रहे हैं। विधानसभा का कार्यकाल भी मंगलवार को ही खत्म हो गया। नए सीएम की शपथ होने तक शिंदे ही कार्यवाहक CM रहेंगे। हालांकि, कुछ मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, नए मुख्यमंत्री के लिए देवेंद्र फडणवीस का नाम लगभग फाइनल हो चुका है। फडणवीस के CM बनने पर नई सरकार में पहले की ही तरह दो डिप्टी CM होंगे। NCP की ओर से अजित पवार और शिवसेना की ओर से शिंदे किसी नए विधायक का नाम आगे कर सकते हैं। सूत्रों के मुताबिक, नई सरकार का एजेंडा तय करने के लिए तीनों दलों की एक कमेटी बनाई जा सकती है, जिसके मुखिया एकनाथ शिंदे हो सकते हैं। हालांकि, शिवसेना प्रवक्ता कृष्ण हेगड़े ने इससे इनकार किया।

पहलवान बजरंग पूनिया चार साल के लिए निलंबित

राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी की बड़ी कार्रवाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए पहलवान बजरंग पूनिया को चार साल के लिए निलंबित कर दिया। पहलवान ने राष्ट्रीय टीम के लिए चयन ट्रायल के दौरान 10 मार्च, 2024 (इसी साल ओलिंपिक से पहले) को डोप परीक्षण के लिए अपना नमूना देने से इनकार कर दिया था। नाडा का कहना है कि एथलीट ने हरकतें जानबूझकर की गई थीं, उन्होंने कहा, डोप टेस्ट के लिए मूत्र का नमूना देने से एथलीट ने जानबूझकर इंकार किया गया था। जो 2021 के नियमों के अनुच्छेद 20.1 और 20.2 में उल्लिखित एंटी-डोपिंग जिम्मेदारियों के प्रति उपेक्षा को प्रदर्शित किया। यह विवाद एथलीटों और एंटी-डोपिंग अधिकारियों के बीच तनाव को रेखांकित करता है, बजरंग के मामले ने खेल प्रशासन में प्रक्रियात्मक और विश्वास से संबंधित मुद्दों की ओर ध्यान आकर्षित किया है।

संत चिन्मय कृष्णदास की गिरफ्तारी पर बांग्लादेश में बवाल

पुलिस ने भांजी लाठियां, एक की मौत

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश में इस्कॉन से जुड़े चिन्मय कृष्ण दास 'ब्रह्मचारी' की जमानत याचिका स्थानीय अदालत ने खारिज कर दी और उन्हें 10 दिन के लिए जेल भेज दिया गया। इस खबर के आते ही बवाल शुरु हो गया और पुलिस ने भीड़ को तितर वितर करने के लिए जमकर लाठियां भांजी। इसमें एक वकील की मौत हो गई जबकि सैकड़ो लोग घायल हो गए। उधर इस मामले में भारत सरकार चिंता व्यक्त करते हुए कहा है कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हो रहे अत्याचारों को रोकने के लिए तत्काल प्रभाव से बांग्लादेश की सरकार को सख्त कदम उठाना चाहिए। स्थानीय खबरों के मुताबिक पीड़ित वकील की पहचान 35 वर्षीय सहायक लोक अभियोजक तथा चटगांव जिला बार एसोसिएशन के सदस्य सैफुल इस्लाम के रूप में हुई है।

अरब के शेखों के लिए हैदराबाद में बेटियों का बाजार

एक्सपायरी डेट के साथ लिखे जा रहे निकाहनामे

हैदराबाद (एजेंसी)।

हैदराबाद का चारमीनार इलाका एक अलग संसार खोलता है. असली मोतियों पर भारी पड़ते नकली मनके. रेशम की छुअन वाले सिंथेटिक दुपट्टे. बिरयानी के साथ घुलती खुश्बू-ए-संदल. और कंधों को छीलती भीड़. इन सबके बीच छाया की तरह कुछ और भी डोलता है. पुराने शहर के कई हिस्से हैं, जहां निकाह के नाम पर लड़कियों को बेचा जा रहा है. खरीदार हैं, खाड़ी देशों से आए बुढ़ाते लेकिन अमीर शेख. सदियों पहले जब इस्लामिक देशों में लंबी लड़ाइयां आम थीं, या फिर लोग कारोबार के सिलसिले में लंबी यात्राएं करते, उस दौर में मुताह शादी की शुरुआत हुई. अरबी शब्द मुताह का मतलब है, जिसका आनंद लिया जा सके. ये एक किस्म की टेंपररी शादी थी, जो घुमंतु लोग या जंग पर निकले पुरुष किया करते. आगे चलकर अरब में तो ये प्रैक्टिस रुक गई, लेकिन भारत जैसे कई देश खाड़ी के अमीरों का ठिकाना बन गए. हैदराबाद में शाहीन नगर, हसन नगर, याकूब पुरी, बारकास, चारमीनार और वट्टापल्ली जैसे कई इलाके हैं, जहां शेख मैरिज आम है. इसके अलावा टोली चौकी में एक नया ट्रेंड बन रहा है. यहां सूडान और सोमालिया से आए मुस्लिम नागरिक रहते हैं. कम उम्र, ज्यादा मस्कुलर. इनके पास पैसे खास नहीं, लेकिन कॉन्ट्रैक्ट शादियां ये भी कर रहे हैं. शेख और लड़की- इन दोनों के बीच पांच से छह लोगों की कड़ी होती है. गल्फ देशों के ये अमीर यूं ही हाथ डुलाते नहीं आ जाते, बल्कि पहले ही रणनीति तैयार हो चुकी होती है.

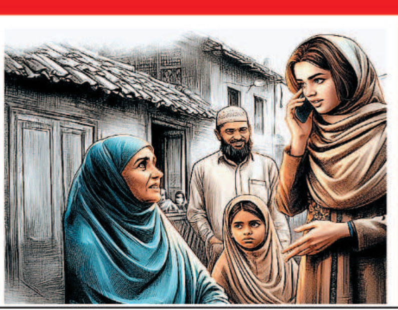

अस्पताल ही क्यों?

शेख अक्सर इलाज के बहाने मेडिकल वीजा लेकर आते हैं. यहीं पर हमारा एक एजेंट ट्रांसलेशन का काम करता है. वो शेख को हम तक लाता है. मुझे अरबी, हिंदी, तेलुगु तीनों भाषाएं आती हैं तो मैं डायरेक्ट काम करने लगा. कॉर्पोरेट अस्पताल मुख्य ठिकाना है, जिसकी आड़ में बहुत से शेख शॉर्ट-टर्म शादी के लिए आ रहे हैं. नीति आयोग के मुताबिक, मेडिकल वैल्यू ट्रैवल (MVT) राजस्व का बड़ा सोर्स है. साल 2018 में ही ग्लोबल मेडिकल बाजार में भारत का शेयर 18 फीसदी से ज्यादा था. इसी से मोटा अंदाजा लगा सकते हैं कि सालाना कितने विदेशी इलाज के लिए यहां आते होंगे. इन्हीं में खाड़ी देशों के ये शेख भी शामिल हैं.

खेल जाती हैं लड़कियां भी

आपने कहा था कि शेख वर्जिन लड़कियां चाहते हैं, फिर एक की कई शादियां कैसे? खेल जाती हैं लड़कियां भी. फिटकरी जानती हैं, जिससे पानी साफ करते हैं! वो अंदर रख लेती हैं. थोड़ी देर बाद जब काम शुरू होता है तो चादर पर लाल रंग फैल जाता है. बुड्ढा शेख अक्सर दवा लेकर ये सब करता है, उसे कुछ समझ नहीं आता. अगर पार्टी बहुत अमीर हो तो कई लड़कियां डॉक्टर के पास जाकर सर्जरी भी कराती हैं. हैदराबाद में हजारों लड़कियां खुद को खराब कर चुकीं.

रोटी के पांच रूप : एक सामाजिक और पारिवारिक विश्लेषण

इंदौर के निपानिया में स्थित एक सोसायटी में सीनियर सिटीजन्स का एक ग्रुप रोजाना शाम को पार्क में मिलते हैं और किसी भी एक विषय पर आपस में चर्चा करते हैं। एक दिन, बातों-बातों में रोटी की बात चल गई। तभी गुप्ता जी बोले, जानते हो कि रोटी कितने प्रकार की होती है? किसी ने मोटी, पतली तो किसी ने कुछ और ही प्रकार की रोटी के बारे में बताया। तब श्रीवास्तव जी ने कहा, नहीं दोस्त, भावना और कर्म के आधार से रोटी 5 प्रकार की होती है।

पहली रोटी है माँ की, जो ममता और वात्सल्य से भरी हुई होती है। जिससे पेट तो भर जाता है, पर मन कभी नहीं भरता। अय्यर जी ने कहा, सोलह आने सच, पर शादी के बाद माँ की रोटी कम ही मिलती है। दूसरी रोटी पत्नी की होती है, जिसमें अपनापन और समर्पण भाव होता है, जिससे पेट और मन दोनों भर जाते हैं। तीसरी रोटी बेटी की होती है, जिसमें माँ का वात्सल्य, कर्तव्यनिष्ठा और पिता के प्रति प्रेम, करुणा, ममता, डाट, प्यार, डर सब होता है, जो गोल नहीं होती ना एक समान होती है, पर उसके स्वाद और मिठास की बराबरी माँ के रोटी समान होता है, जो पिता में ममता उत्पन्न कर देती है, इसका स्वाद ताउम्र लिया जा सकता है। चौथी रोटी बहू की होती है, जिसमें सिर्फ कर्तव्य का भाव होता है, जो कुछ कुछ स्वाद भी देती है और पेट भी भर देती है और वृद्धाश्रम की परेशानियों से भी बचाती है। पांचवी रोटी नौकरानी की होती है, जिससे ना तो इन्सान का पेट भरता है न ही मन तृप्त होता है और स्वाद की तो कोई गारंटी ही नहीं है। तो फिर हमें क्या करना चाहिए? माँ की हमेशा पूजा करो, पत्नी को सबसे अच्छा दोस्त बना कर जीवन जिओ, बेटी से स्नेह करो, बहू को अपनी बेटी समझो और छोटी मोटी गलतियाँ नज़रअंदाज़ कर दो। बहू खुश रहेगी तो बेटा भी आपका ध्यान रखेगा। यदि हालात पांचवी रोटी तक ले ही आयें तो भगवान का शुक्र करो कि उसने हमें ज़िंदा रखा हुआ है, अब स्वाद पर ध्यान मत दो केवल जीने के लिए बहुत कम खाओ ताकि आराम से बुढ़ापा कट जाये और सोचो कि वाकई, हम कितने खुशकिस्मत हैं जो रोज़ शाम में पार्क, आपस में मिलकर ज़िंदगी आनंद ले रहे हैं।

– अजय कुमार बियानी, बालाजी स्काईज़, निपानिया, इंदौर, मध्य प्रदेश

श्वेत अपराजिता

कहानी

हमारे बगल वाले घर में बूढ़ी अम्मा रहती थी। सभी उन्हें आदर से अम्मा बुलाते थे। लोग कहते थे अम्मा के एक बेटा था फौज में गया और आज तक मिलने नहीं आया। अम्मा अकेली रहती थी। इधर हमारे घर में छाछ रोजाना बनती थी।

मेरी मां मेरे साथ एक लोटा छाछ और दो रोटी थोड़ा सा गुड़ अम्मा के घर भिजवाती थी। अम्मा उन्हें छाछ के साथ भिगोकर खा लेती ।अम्मा के घर जाना मुझे खूब भाता था ।अम्मा ने खूब सारे पेड़ पौधे लगा रखे थे। मुझे उनके आंगन में नीम के पेड़ के नीचे बैठकर पढ़ना बहुत रुचता था । मैं अम्मा के खूब सारे काम कर देती थी। वह मुझे अक्सर बहुत प्यार से श्वेत अपराजिता कहकर बुलाती थी। मैं कहा करती अम्मा मैं गोरी हूं इसलिए अम्मा कहती नहीं तू मोहल्ले के सब बच्चों से अलग है इसलिए

क्योंकि कई बार बच्चे उनको बहुत तंग करते थे। अब मैं भी बड़ी होने लगी थी। अम्मा को अब आंखों से धुंधला दिखने लगा था। वह पराश्रित सी महसूस करने लगी थी। मैं उनके काफी सारे काम सहज ही करने लगी और वह मुझे कसीदा, मिठाई ,अचार बनाना सीखाने लग जाती थी । एक दिन मेरी शादी तय हो गई। शादी से दो-तीन दिन पहले मैं अम्मा से मिलने गई अम्मा ने प्यार से बिठाकर गुड़ धनिया खिलाया फिर घर के अंदर से एक लाल रंग की छोटी सी पोटली लाकर दी और कहा अपनी ससुराल में किसी भी गमले में गाड़ देना। मैं हमेशा तुम्हारे साथ रहूंगी मेरी प्यारी श्वेत अपराजिता और मेरे पास में तुम्हें देने के लिए इसके अलावा कुछ भी नहीं है इसे ही सदा मेरा आशीष समझना। जब यह फैलने फूलने लगे समझना अम्मा सदा के लिए तुम्हारे साथ है। जब कभी मन घबराए,नींद ना आए,तनाव छा जाए तो इसके दो-चार फूलों का काढ़ा पी लेना और मुझे अम्मा ने अपनी गोद से उठाया माथे पर प्यार से हाथ फेरा बोली अब बहुत देर हो गई अपने घर जाओ। शादी के कुछ दिनों बाद संभाल कर रखी हुई वह लाल पोटली मैंने खोलकर गमले में डाल दी और कुछ मिट्टी डाली कुछ पानी कुछ दिनों बाद अंकुर फूट पड़े , लताएं बढ़ चली और आने लगे सुंदर श्वेत अपराजिता के फूल सुंदर अनूठे शंख की भांति प्यारे-प्यारे अब अम्मा की याद सताने लगी। मैं घर गई पता चला अम्मा मेरी शादी के दो-तीन दिन बाद ही स्वर्ग सिधार गई। मेरा वहां मन ना लगा। मैं ससुराल आ गई। आकर कुछ देर उन हरी - भरी लताओं के साथ खड़ी हो गई।

मेरी आंखों से आंसू झरने लगे लगा मानो अम्मा मेरा प्यार से माथा सहला रही हों।और आज भी चौंतीस साल बाद वह लताएं ज्यों की त्यों लहरा रही है जैसे कभी ना होगा कम उनका आशीष। सदा रहेगा अपराजित आशीर्वाद मेरे साथ। मैं उनकी श्वेत अपराजिता और वह बनी रहेंगी विष्णु कांता सी मेरी अम्मा की याद और फिर दो आंसू के साथ।

सपना जैन शाह
उदयपुर राजस्थान

बदला

भीड़ को अपनी शराब की दुकान की तरफ आते देख बनवारी लाल सारा माजरा समझ गया। शराबबंदी के नारे लगाती हुई कसबे की महिलाओं और युवाओं की इस अनियंत्रित भीड़ में सबसे आगे देबू और उसका चचेरा भाई गज्जू थे। बनवारी ने बीते सोमवार को इन दोनों को उधारी में शराब देने से मना किया था। बनवारी से पहले तो इन दोनों ने उस शाम काफी मिन्नतें की लेकिन जब वह न माना तो दुकान से निकलते हुए देबू ने आँखें तरेरते हुए कहा था - बन्ने, मन्ने तूने शराब के लिए मना कियो, ये तन्ने कोई ठीक काम नहीं कियो। तन्ने ऐसा पाठ दूंगा कि थारे खानदान में आगे कोई मन्ने ना कहने से पहले सौ बार सोचेगा।

- सुभाष चंद्र लखेड़ा,
द्वारका, नई दिल्ली

रविवार का इंतज़ार

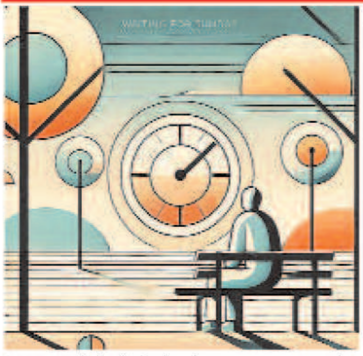

आज रविवार है, आप सोच रहे होंगे जैसे आप सभी के लिए रविवार ख़ास होता है मेरे लिए भी होगा ! नौकरीपेशा लोगों के लिए तो में समझ सकता हूँ , लेकिन मेरे लिए ऐसा नहीं है। निजी चिकित्सा पेशे में होने का मतलब, सन्डे हो या मंडे , रोज दो रोटी के जुगाड़ के हथकंडे।

वैसे मैं आपको एक राज की बात बताऊँ, ये नौकरी पेशा लोग भी ना ,चाहे जितना दावा कर लें, वीकेंड पर मौज-मस्ती का फोटो इंस्टाग्राम पर डाल कर लाइक्स बटोर लें, लेकिन असल जिंदगी में इनकी हालत घर में ऑफिस से भी बदतर होती है! सच तो यह है की इन्स्टा पर इनकी चमकीली दिखने वाली लाइफ में ज्यादा योगदान फोटो फिल्टरों का होता है ,असल में जिंदगी आधार कार्ड के फोटो जैसी ही है सबकी ! क्योंकि घर का 'बिग बॉस' जिस प्रकार से इन्हें सुबह से शाम तक घर के कामों में पिदाता है, इन्हें रह-रह कर ऑफिस याद आता है, बॉस की डांट-फटकार याद आती है, 'गो टू हेल वाली डांट, बॉस का बस नहीं चले नहीं तो रोज ही उन्हें 'गो टू हेल' के दंडस्वरूप घर में भेज दें। पिछले कोरोना काल में 'वर्क फ्रॉम होम' का कॉन्सेप्ट क्या आया, सभी को दो-दो बॉस को झेलना पड़ गया। आदमी ऑफिस जाता है किसलिए भला ! दो पल सुकून के बिताने को , थोड़ी सी कामचोरी के लिए, मटरगश्ती के लिए, बॉस की नज़रें बचाकर अपनी सहकर्मी से प्यार की दो पींगें बढ़ाने के लिए न ! लेकिन क्या करें , घर के घर के से माहौल ने ऑफिस के माहौल की चांदनी में ग्रहण लगा दिया। खैर, मुख्य विषय पर आते हैं, बात ये है कि आज मेरा रविवार भी स्पेशल है। वो इसलिए है कि जब से लेखन का भूत सर चढ़ कर बोला है, हमें लग रहा है कि इन रचनाओं को अब और के सर माथे भी चढ़ाया जाए। घर में गृहस्वामिनी तो रचना सुनने से रही, एक दो बार कोशिश भी की, लेकिन मुफ्त में कुछ नहीं मिलता है के सिद्धांत पर, शॉपिंग का प्रॉमिस कराकर ही सुनवाई थी। समीक्षा तो श्रीमती जी रोज कर ही देती हैं, मेरी रचनाओं के कागजों पर पड़ी धूल को झाड़ पोंछ कर उन्हें पठनीय बना देती हैं। कबाड़ वाले की गली में हांक लगती है तो दर लगता है ,कही श्रीमती जी मेरे साहित्य संग्रह का अर्थीकरण नहीं कर दे.वैसे श्रीमती जी को भी मेरे लेखन रुपी कीड़े से शिकायत कुछ नहीं,अगर रचनाएँ कंप्यूटर तक ही सीमित रहें तो, लेकिन हुआ ये की लिखने के साथ पढ़ने का शौक भी चढ़ा है ,और हमने कुछ साहित्य बाजार से खरीद लिया ,एक बार मेरी अलमारी में बमुश्किल से श्रीमती जी द्वारा अतिक्रमण की हुई जगह को अनुनय विनय से प्राप्त कर के बुक्स रखी दी गयी थी , तब से श्रीमती जी की नजरों में मेरा ये शौक खटक रहा है। फिर दीवाली की सफाई पर भी मेरा काम सिर्फ अपनी इस निधि को झाड़ पोंछकर , लेकिन साथ में पंखे के जाले भी साफ करने पड़ते हैं। तो रचनाओं को किसी मैगज़ीन में प्रकाशित करवाने का चस्का हमें भी लगा और इसी के तहत कुछ फोन नंबर मेल आई दी कबाड़ लिए। एक रचना सही तरीके से साज संभार के जैसे कि लड़ की दिखाई की रस्म में लड़की को दिखाया जाता है उस तरह दिखा भी दी है, बस प्रकाशकों की हाँ का इंतजार कर रहा हूँ जैसे लड़के वालों की हाँ का इंतजार होता है। रचना भी मेरी शरमाई सी सकुचाई से, अपने ख्वाबों में प्रकाशित होकर पाठकों से गलबहियाँ डाल कर आलिंगन होने के इंतजार में पलक पांवडे बिछाए इंतजार कर रही है। रिज्यूम में अभी तक लिखने को कुछ नहीं है, बुक भी कोई पब्लिश नहीं हुई, किसी देश-विदेश की पत्रिका तो दूर, कोई अखबार ने भी हमारी रचना पर ध्यान देना उचित नहीं समझा, बस आशा लगाए बैठे हैं कि कोई एक दो रचना प्रकाशित हो जाए और हमारे रिज्यूम में भी कुछ लिखने को मिल जाए, लेखक के लिए ये कर्मचारी के अनुभव प्रमाण पत्र की तरह काम करता है, बड़े प्रकाशक तब तक घास नहीं डालेंगे जब तक आपकी रचना छोटे प्रकाशन में अपनी जगह नहीं बना लेगी। तो बस फोन का इंतजार है। फोन कोई स्क्रीन को बार-बार ऑन करके देख रहे हैं गलती से कोई हाँ का मेल छूट न जाए, कोई फोन कॉल मिस न हो जाए। फोन आया, थोड़ी सी उम्मीद जगी, वैसे तो अनजान नंबर उठाता नहीं लेकिन आज तो जितने भी अनजान नंबर से कॉल आ रहे थे सभी संपादकों के ही लग रहे थे। एक फोन आया, हेलो कौन बोल रहे हैं? मैंने कहा, मैं ने कहा डॉक्टर बोल रहा हूँ, बोला दांत वाले डॉक्टर मुकेश ना, मैंने कहा नहीं जी बिना दांत वाला हूँ, मैं तो हड्डी वाला हूँ, उसने फोन काट दिया। थोड़ी देर बाद एक फोन और आया, हेलो डॉक्टर साहब बैठे हैं क्या? मैंने झल्लाकर कहा जी हाँ अभी तक तो बैठे हैं, तुम कहो तो खड़े हो जाएं। आशा टूट चुकी है। दिल बेचैन है। मेल में भी कोई संपादक जी का संदेश नहीं चमक रहा, इसी बहाने स्पैम फोल्डर के प्रमोशन के सभी मेल खंगाल चुका हूँ कहीं से कोई छोटी सी किरण नजर आ जाए जो मेरी इन रचनाओं के अंधेरे टूटते ख्वाबों को रोशन कर जाए।

डॉ. मुकेश असीमित

बहन,जरा आग देना तो..?

हे बहिनी !, हे काकी ! तनिक आग दय देतू (हे बहिन जी !, हे काकी ! ज़रा आग दे दो)ज्यादा नहीं अभी बस सन दो हजार या उसके 5-10 साल पहले की बात होगी। मतलब कि बमुश्किल 25-30 साल पहले तक। जब सुबह-शाम होते ही गाँव घर में अगल-बगल की कोई बहन, काकी, अम्मा, फुआ-बुआ, आजी-अइया-माई, भाभी, देवरानी, घर की महारानी या नयी-नवेली बहू-पतोह घूंघट निकाल कर अपने अगल-बगल वाले पड़ोसी-पटीदार के घर जातीं और कहतीं, बहिनी-बिट्टी तनिकी आग दे दो। कल बोरसी,चूल्हे में आग जिलाये थे, जाने कैसे बुझ गई।?आज की पीढ़ी को यह सुनने में भी अजीब और अविश्वसनीय लगेगा कि कभी आग भी दूसरे घर से मांग कर लायी जाती थी। हम लोगों के बचपन में यह एक बहुत ही साधारण और प्रचलित प्रथा थी। जैसे आज भी हम अगल-बगल-पड़ोसी से कोई जरूरत का सामान मांग लेते हैं।

उस वक़्त माचिस या दियासलाई का प्रचलन बहुत कम था। ज़्यादातर घरों में माचिस मिलती ही न। मिलती भी तो कहीं छान्ह-छप्पर में घुसेड़ी हुई मिलती। जलती ही न। ऐक्चुअली माचिस पे डिपेंडेंसी ही न थी। क्योंकि लगभग हर घर में कोई न कोई एक कोठरी दूध की कोठरी होती। जिसमें दूध का काम होता। वहीं बोरसी पर, एक हांड़ी में हमेशा दूध गरम होता रहता। धुएं से सारी कोठरी और मटकी काली पड़ जाती और दूध लाल सा हो जाता। बोरसी वाली कोठरी या फिर चौका-रसोई की राख या गोबर के उपले-कंडे में हमेशा आग जिन्दा रहती। काम ख़त्म होने पर कंडे की आग को राख से ढँक कर रख दिया जाता और जब ज़रूरत होती तो इसी से दुबारा आग सुलगा लेते।ऐसे में जब किसी के घर की आग किसी कारण से बुझ जाती तो झट से बगल वाले घर से आग मांग ली जाती। आग मांगने वाला अपने घर से कोई कंडा / उपला लेकर जाता, और उधर से उसी टुकड़े को सुलगा कर या फिर उसी कंडे / उपले पर कोई सुलगता हुआ टुकड़ा रखकर या फिर चिमटे से पकड़कर अपने घर लाता और आग जला लेता।ठंडक में तपता / कौड़ा तापते हुए भी यही किया जाता।तब, जब संझा को सबके घरों में चूल्हा जल उठता

और चूल्हे पर खदबदाते अदहन से निकले धुएँ का गुबार किसी खपरैल के ऊपर टंग जाता। गाँव के उस चूल्हे की आँच में प्रेम पकता। अगर किसी घर से धुआँ न निकलता दिखता तो पास-पड़ोस की की बूढ़ी माई-काकी तुरंत पूछने चली आतीं, का बहिनी ! का बिट्टी ! अबहीं तक आगि काहे नाय बरी? आज भी किसी के घर कोई अनहोनी-दुर्घटना हो जाती है तो चूल्हे-चौके में आग नहीं जलती।हमसे एक पीढ़ी के पहले के लोग बताते हैं कि शादी-ब्याह देखने जाते तो कोशिश करते कि गौधुरिया मतलब गोधूलि यानी शाम की बेला हो जाये, जिससे पता चले कि जिस घर में बरदेखाई करने आये हैं उस घर में समय से आग जलती है या नहीं। अर्थात ये तय हो जाएगा कि उस घर में खाने-पीने की कोई कमी नहीं है और उनकी बिटिया सुखी रहेगी।आग ! अग्नि !फायर।मानव सभ्यता की पोषक। फिर चाहे वह आदि मानव के समय से देखा जाए, चाहे वैदिक काल से। ऋग्वेद का तो प्रथम शब्द ही अग्नि ही है। ऋचाओं में अग्नि ही प्रथम देव है। ऋग्वेद की ऋचा कहती है, इदं अग्नये इदं न मम॥अर्थात, यह जो समर्पित है वह अग्नि का है, यह मेरा नहीं है। और इसीलिए जब यज्ञ की परंपरा विकसित हुई तब यह माना गया कि अग्नि को समर्पित प्रसाद ही अन्य देवताओं को भोग के रूप में मिलता है। वेदों में अग्नि एक प्रमुख और सबसे अधिक आह्वान किए जाने वाले देवताओं में से एक हैं। यजुर्वेद के अनुसार अग्नि शरीर के हर अंग के लिए मुख्य घटक है। सभी प्रकार के मेटाबॉलिज्म (चयापचय, अपचय, परिवर्तन, पाचन, विषाक्त पदार्थों का विनाश) में अग्नि ही जीवन है, जब जीवन-अग्नि नष्ट हो जाती है तो प्राणी का अंत हो जाता है।या फिर यूनानी पौराणिक कथाओं की बात करें तो देवताओं से अग्नि चुराने वाला प्रोमेथियस की चर्चा भी ज़रूरी है। प्रोमेथियस ने आग के महान देवता को हराकर मानव के लिए आग चुराई थी। इसके बदले में जीउस देवता ने प्रोमेथियस से बदला लेने के लिए प्रोमेथियस को काकेशस पहाड़ पर कीलों से ठोंक दिया और उसके कलेजे को खाने के लिए एक बाज को भेजा। प्रोमेथियस का कलेजा खतम होने के पहले ही फिर से रिजनरेट हो जाता, और बाज फिर से खाना शुरू कर देता है, इस प्रकार किंवदंतियों में वह बाज आज तक प्रोमेथियस के कलेजे को नोंच-नोंच कर खा रहा है।इस तरह से दुनिया की हर संस्कृति में अग्नि कहीं न कहीं बहुत महत्वपूर्ण रही है, फिर चाहे वह हर्मीस फायर हो, प्राचीन जर्मनों की एल्मिस फायर, या ग्रीक गॉड अपोलो की जलती हुई मशाल, या मूसा की बर्निंग बुशयह अग्नि तत्व ही था जिसने स्थिर ब्रह्मांड को गतिमान किया। दूसरे शब्दों में, अग्नि ने ब्रह्मांड में जीवन फूंका। अग्नि अस्तित्व का फ्यूल है। अग्नि ही जीवन है!अग्नि ही चेहरे का तेज है, यही हमारी औरा है, प्रभा है, चमकता वर्ण और ओजस भी है।

प्रेषक--गमन्या शंकर, विजयनगर,

प्रदूषण में बालों की देखभाल

पिछले कुछ दिनों से देश में बढ़ते प्रदूषण की बजह से खांसी और सांस से जुडी अनेक स्वास्थ्य सम्बन्धी समस्याएं खड़ी हो गई हैं जिससे लोग खासे परेशान हैं और इससे निपटने के लिए बिभिन्न स्तर पर गम्भीर प्रयास किये जा रहे हैं / हालाँकि अब तक प्रदूषण से स्वास्थ्य पर होने बाले नुकसान को ही गम्भीरता से लिया जा रहा है लेकिन प्रदूषण सेहत के साथ साथ बालों की सेहत को भी नुकसान पहुंचता है / प्रदूषण की बजह से सिर में जलन और खुजली हो सकती है / इसकी बजह से बाल भंगुर और चमकहीन हो सकते हैं और बालों में रुसी सहित अनेक समस्याएं खड़ी हो सकती हैं और इनकी ग्रोथ प्रभावित हो सकती है तथा बाल अनियमित रूप से झड़ सकते हैं ।

प्रदूषण से बालों को होने बाले नुकसान को कुछ घरेलू उपायों से रोका जा सकता है ।

प्रदूषण की वजह से आपके बालों में काफी धूल मिट्टी और प्रदूषक इकट्ठे होते हैंजो बालों को रूखा और बेजान बनाते हैं, जिससे डैंड्रफ की समस्या हो सकती है

प्रदूषण के सम्पर्क से बालों को बचाने के लिए बालों को स्कार्फ़ , कैप या दुपट्टे से ढक कर चलें / प्रदूषण से बचाने के लिए बालों को बांधना / चोटी बनाना बेहतर विकल्प है क्योंकि इससे

धूल और प्रदूषकों के बालों में प्रवेश करने की गुंजाइश कम हो जाती है।

प्रदूषण के प्रभाव को कम करने के लिए बालों पर तेल मालिश प्रभावी साबित होती है / तेल मालिश या चम्पी से खोपड़ी में रक्त संचार बढ़ता है जिससे पोषक तत्व बालों के रोम तक गहराई से पहुँचते हैं तथा बालों में रुसी और खुजली

की समस्या कम हो जाती है /

प्रदूषण की बजह से रूखे , शुष्क हो चुके बालों को कंडीशनर से पौषण मिल सकता है /

शैम्पू के बाद कंडिशनर का इस्तेमाल करने से आपके बालों को मॉइस्चर भी मिलता है और बाल टूटते भी कम हैं। इसलिए हमेशा शैम्पू करने के बाद बालों को कंडिशन करें/

कंडीशनर को अपने बाल धोने के बाद ही लगाया कर कुछ मिनट तक छोड़ दें जिससे यह आपके बालों में गहराई तक पहुंच सकेगा जिससे बाल घने और मुलायम बन जायेंगे /

घर पर कंडीशनर बनाने के लिए 1 चम्मच शहद

2 चम्मच नारियल तेल को मिक्स करके बालों की जड़ों से लेकर सिरों तक अच्छी तरह लगा लें और शॉवर कैप पहन लें। इसके 30 मिनट बाद शैंपू कर लें।

गर्मी के मौसम में शैंपू के बाद भी इसका उपयोग कर सकती हैं। पहले बालों में शैंपू करें। फिर इस मिश्रण को गीले बालों में ही लगा लें और 30 मिनट बाद माइल्ड शैंपू से बाल धो लें।

प्रदूषण से रूखे

और बेजान बालों को स्वस्थ और चमकदार बनाए रखने के लिए पर्याप्त देख भाल की जरूरत होती है। बालों के छिद्रों के लिए और आपके बालों के मुलायम को स्वस्थ रखने के लिए बालों को हाइड्रेट रखना बेहद जरूरी है। इसके लिए प्रयाप्त मात्रा में पानी , लस्सी , जूस ,फ्रूट और हरी सब्जियों का सेवन करें ।

प्रदूषण से बालों को बचाने के लिए बालों और स्कैल्प को साफ रखने का प्रयत्न करें क्योंकि साफ बालों में बायु प्रदूषक घर नहीं कर सकेंगे / बालों को साफ रखने से स्कैल्प को खुजली और डैंड्रफ से बचाया जा सकता है ।

प्रदूषण के दुष्प्रभावों से बचाने के लिए आप को घर पर ही लीव इन कंडीशनर और हेयर ऑयल आदि का प्रयोग करते रहना चाहिए। इस दौरान बालों में ज्यादा हीट का प्रयोग न करें और हेयर स्टाइल अलग अलग प्रकार के न बनाएं नहीं तो आपके बाल और अधिक कमजोर हो सकते हैं। आपके बाल इस दौरान अधिक ड्राई भी हो सकते हैं इसलिए बालों में बार बार शैंपू भी न करें।

प्रदूषण से बालों को बचाने के लिए हेयर मास्क लाभदायक साबित हो सकते है /हेयर मास्क आपके बालों को पौषण प्रदान करते हैं साथ में हाइड्रेट भी करते हैं । विभिन्न तरह के बालों के लिए विभिन्न तरह के हेयर मास्क मिलते हैं। आप हेयर मास्क को बालों पर सप्ताह में दो बार लगा सकते हैं। इसे बाल धोने से पहले 15. 20 मिनट के लिए बालों पर लगाए रखने की जरूरत रहती है। बालों को अंदर से मजबूत रखने के लिए हेल्दी लाइफ स्टाइल और पौष्टिक खानपान का सेवन करना बहुत जरूरी होता है। आहार में साबुत अनाज के साथ ड्राई फ्रूट्स ,मौसमी फल , नट्स, सूप और जूस को जरूर शामिल करें। इन चीजों के सेवन से बाल अंदरूनी तौर पर मजबूत बनते हैं।लेकिन इसके बाबजूद आपके बालों में सुधार नहीं होता तो आप बिशेष्ज्ञ की सलाह जरूर ले लें

शहनाज़ हुसैन
लेखिका अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त सौन्दर्य विशेषज्ञ है और हर्बल क्वीन के रूप में लोकप्रिय है

एमआर चैलेंजर्स बना एसीएल चैंपियन, एपीएल जूनियर-सीनियर 2024 में सेंट उमर स्कूल जीता

इंदौर। शिक्षा के साथ बच्चों को मैदानी खेल से जोड़ने और नशे से दूर रहने के संदेश के साथ आज़ाद नगर मिनी स्पोर्ट्स क्लब पर फ्रीडम फाइटर कान्वेंट हाई स्कूल द्वारा एपीएल और एसीएल 2024 क्रिकेट ट्रॉफी का महा आयोजन किया गया। फ्रीडम फाइटर हाई स्कूल के डॉयरेक्टर और एपीएल के ऑर्गेनाइज़र नवाब जुल्फिकार बहादुर, वाइस प्रेसीडेंट नवाब अब्बास बहादुर ने बताया 12 दिन चले क्रिकेट के इस महा आयोजन में एपीएल जूनियर 2024 का विजेता सेंट उमर स्कूल रहा।

एसीएल 2024 का खिताब एमआर चैलेंजर्स ने जीता। इसी तरह एपीएल सीनियर 2024 की ट्रॉफी भी सेंट उमर स्कूल ने जीत हासिल कर अपने नाम की। विजेताओं, उपविजेताओं व उत्कृष्ट खिलाड़ियों को पुरस्कार मुख्य अतिथि मध्यप्रदेश कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के प्रदेश अध्यक्ष शेख अलीम, विशेष अतिथि जिला हज कमेटी के अध्यक्ष राशिद शेख, पत्रकार ताहिर कमाल सिद्दीकी के हाथों वितरित किये गए।

अतिथियों का स्वागत व उत्कृष्ट खिलाड़ियों को एपीएल डॉयरेक्टर हाफिज हैदर अली, नज्में आजम सर, हाफिज मुहिब्बुल्ला नदवी, आज़ाद नगर क्षेत्र के स्कूल संचालक अब्दुल हाफिज बनारसी, जावेद खान, इमरान सर, अब्दुल अहद सर, मुश्ताक सर, हाफिज रिजवान सर, अकरम सर, रहीम सर, अकील सर आदि ने पुरुस्कृत किया। फ्रीडम फाइटर हाई स्कूल के डॉयरेक्टर और एपीएल के ऑर्गेनाइज़र नवाब जुल्फिकार बहादुर, वाइस प्रेसीडेंट नवाब अब्बास बहादुर ने बताया एपीएल जूनियर, सीनियर व एसीएल के फाइनल मुकाबले हुए। जिसमें सबसे पहले गोल्डन लाइफ स्कूल जूनियर सेंट उमर स्कूल जूनियर के बीच हुआ। जिसमें सेंट उमर स्कूल ने 10 विकेट से जीत हासिल की। दूसरा फाइनल क़ादरी इलेवन और एमआर चैलेंजर्स के बीच हुआ। जिसमें क़ादरी इलेवन ने पहले बेटिंग करते हुए 10 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 87 रन बनाए। जिसमें कादरी इलेवन की तरफ से नाज़िम अब्बासी ने 17 गेंद पर सर्वाधिक 28 रन बनाये। जवाब में एमआर चैलेंजर्स ने 9.5 ओवर में 3 विकेट खोकर 88 रन बनाकर शानदार जीत हासिल की। एमआर चैलेंजर्स की ओर से बिलाल मुबारिक ने 32 गेंद पर सर्वाधिक 46 रन की धुंआधार पारी खेली। तीसरा फाइनल सेंट उमर स्कूल सीनियर और सहरानिया इंटरनेशनल स्कूल के बीच हुआ। जिसमें सेंट उमर स्कूल ने शानदार जीत हासिल कर ट्रॉफी अपने नाम की। इस मुकाबले में सेंट उमर स्कूल सीनियर ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 10 ओवर में 5 विकेट पर 95 रन बनाकर 96 रन का लक्ष्य दिया। जवाब में सहरानिया इंटरनेशनल 8 विकेट के नुकसान पर 76 रन बना सकी। इस तरह सेंट उमर स्कूल सीनियर ने 19 रन से शानदार जीत हासिल की। बड़ी संख्या में क्रिकेट प्रेमियों ने फाइनल मैच का लुत्फ उठाया।

सिका प्री प्राइमरी स्कूल निपानिया में वार्षिक खेल दिवस मनाया

इंदौर। सिका प्री प्राइमरी स्कूल निपानिया में वार्षिक खेल दिवस धूमधाम के साथ मनाया गया। विद्यालय के छात्र-छात्राओं के बीच विभिन्न प्रतियोगिता एवं खेल स्पर्धाएं संपन्न हुई। विद्यालयों में खेल प्रतियोगिताओं का बहुत बड़ा महत्व है। खेल-कूद में भी भविष्य संवारा जा सकता है।

इस अवसर पर स्कूल परिसर के खेल ग्राउंड में इस दौरान नर्सरी की बोटल रेस, के.जी 1 की बैग रेस और के.जी 2 की हर्डल रेस का आयोजन किया गया । बच्चों ने मार्च पास्ट भी प्रस्तुत की ।ऐ.एच.एम मैडम श्रीमती सोनल खन्ना ने सभी छात्र-छात्राओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि जीवन में कभी भी किसी को हार नहीं मानी चाहिए ।बेहतर प्रदर्शन करते रहना चाहिए।

जिससे कभी न कभी सफलता आपके हाथ जरूर आएगी। खेलों से बच्चों में राष्ट्रीय भावना का विकास होता है। पहले वे टीम के लिए सोचते हैं और आगे चलकर देश के लिए सोचना प्रारम्भ करते हैं। यही खेलों की सफलता है। जीवन में आने वाली बाधाओं से कैसे मुकाबला करें यह खेलों के माध्यम से सीखा जा सकता है।

पीड़ित मानवता की सेवा इंसानियत फर्ज - अतिथि

इन्दौर। गरीबों की सेवा एक पुण्य कार्य है एवं मानवता का फर्ज है, विकलांगों, निर्धन की मदद करने वाले धन्य होते है। यह विचार कर्मशील, समाज सेवी डॉ. रेखा गाँधी की स्मृति पर आयोजित सहायता समारोह में मुख्य अतिथि डॉ. अरविन्द बिल्लौरे, डॉ. पीयूष गाँधी ने व्यक्त की।

संस्थान सचिव रेणुका चन्देल ने बताया कि समारोह में विकलांग प्रगति मंडल के दिव्यांग बच्चों को शिक्षण सामग्री, प्रेम कुमारी हास्पिटल के स्टाफ को साड़ी, निर्धनों को कम्बल वितरण किया गया । विशेष अतिथि डॉ. आराधना तिवारी, डॉ. सी. पी. पाटीदार, समाज सेवी, कर्मशील संस्था अध्यक्ष मोनिक मालवीय, अभिजीत शास्त्री ने डॉ. रेखा गाँधी के चित्र पर माल्यार्पण किया प्रियदर्शिनी बालिका कल्याण संस्थान द्वारा पाँच बालिकाओं को बेटी बचाओ अभियान के तहत सम्मान किया। इस अवसर पर करुणाजी, मीना जी, सीताबाई, जावलेकर, हेमलता चौहान, पूजा जी, सरिता भावसार, जानकी साहू आदि उपस्थित थे। संचालन रेणुका चन्देल ने किया तथा आभार मोनिक मालवीय ने किया।

श्रीमती गंगाबाई परमार को श्रद्धांजलि

इंदौर। श्रीमती गंगाबाई परमार को श्रद्धांजलि अर्पित करने पहुंचे विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 1 के पूर्व विधायक सुदर्शन जी गुप्ता। इंदौर स्वर्गीय गंगाबाई परमार का स्वर्गवास दिनांक 21 11 2024 गुरुवार को हो गया था।

इसी घड़ी में आज परिवार को शोक संवेदनाशील व्यक्त करने क्षेत्र क्रमांक के पूर्व विधायक सुदर्शन जी गुप्ता उनके निज निवास 105 गंगानगर कॉलोनी पर पहुंचे और स्वर्गीय गंगा बाई परमार को श्रद्धांजलि अर्पित की उनके साथ मुख्य रूप से परमार परिवार के बड़े पुत्र ओमप्रकाश परमार राजू परमार अशोक परमार वह पोता विनोद परमार रोहित परमार राहुल परमार शुभम परमार हिमांशु परमार समक्ष परमार वह परमार परिवार के सदस्य मौजूद थे

कोर्ट में पलटी फरियादी, वारदात से ही किया इंकार, आरोपी बरी

इन्दौर। फरियादी के ही प्रकरण में पलट जाने के बाद जेएमएफसी कोर्ट ने मोबाइल लूट के एक प्रकरण में तीन आरोपियों को संदेह का लाभ देकर उन्हें लूट के आरोप से दोषमुक्त करार दे दिया। प्रकरण सुनवाई के दौरान फरियादी ने कोर्ट में न केवल आरोपियों को पहचानने से इनकार किया बल्कि अपने बयान में उसने कहा कि उसके साथ लूट की घटना ही नहीं हुई थी। उसका मोबाइल तो गिर गया था, जिसकी रिपोर्ट लिखाने वह थाने गई थी।

इसके बाद कोर्ट ने अपना निर्णय सुनाया। अभियोजन कहानी संक्षेप में इस प्रकार है कि मल्हारगंज थाना क्षेत्र के टाटा स्टील चौराहे पर कालका मंदिर के पास तीस जुलाई 2024 की शाम सात बजे फरियादी रेखा के हाथ से बाइक सवार तीन युवक उसका मोबाइल लूट ले गए थे। रिपोर्ट पर पुलिस ने छानबीन के बाद तीन आरोपियों चेतन, निखिल और गोलू को पकड़कर चालान कोर्ट में पेश किया, लेकिन वहां फरियादी ने ही कोर्ट में अभियोजन कहानी का समर्थन नहीं करते हुए उक्त कथन दिए। जिसके बाद कोर्ट ने सभी आरोपियों को दोषमुक्त करार दे दिया।

प्रदेश में 26 नवम्बर से प्रारंभ हो गया हमारा संविधान-हमारा स्वाभिमान अभियान

संविधान के 75 वर्ष पूरे होने पर प्रदेश में चलेगा वर्ष भर अभियान

इंदौर। देश में 15 अगस्त 1947 को देश की आजादी के बाद तैयार किया गया संविधान 26 नवम्बर 1949 को अपनाया गया था। इसके बाद देश में 26 जनवरी 1950 को संविधान लागू किया गया था।

संविधान को अपनाने के 75 वर्ष पूरे होने पर संविधान की जानकारी के प्रति जन-जागरूकता के लिये 26 नवम्बर 2024 से वर्ष भर चलने वाला हमारा संविधान-हमारा स्वाभिमान आज से प्रदेश भर में शुरू हो गया है। अभियान की शुरूआत में अभियान के दौरान जन-सामान्य को संविधान की प्रस्तावना, संविधान का निर्माण और देश के संविधान पर गर्व करने जैसे बिन्दुओं पर जनप्रतिनिधियों द्वारा मुख्य रूप से जानकारी दी गई। प्रदेश की विभिन्न विभूतियों का स्मरण किया गया, जिनका संविधान निर्माण में उल्लेखनीय योगदान रहा। इस मौके पर संविधान की प्रस्तावना का सामुहिक वाचन किया। इसमें शासकीय सेवकों के साथ आम नागरिकों को भी सहभागिता रही।

वर्ष भर की गतिविधियों को एक डिजिटल प्लेटफार्म पर लाने के लिये वेबसाइट constitution|z.com भी तैयार की गई है। वेबसाइट में गतिविधियों की तस्वीरें और वीडियो अपलोड किये जा सकेंगे। इस अभियान में युवाओं और स्कूल के बच्चों को अधिक से अधिक जोड़ने के लिये एक अन्य वेबसाइट https://www.mygov.in: पर संविधान विषय पर निबंध, प्रश्नोत्तरी एवं पोस्टर प्रतियोगिता की तस्वीरें साझा की जा सकती हैं।

वर्ष भर चलने वाले हमारा संविधान-हमारा स्वाभिमान जन-जागरूकता अभियान के दौरान प्रदेश की शैक्षणिक संस्थाओं में विशेष आयोजन होंगे। इस संबंध में संसदीय कार्य विभाग ने शासन के समस्त विभागाध्यक्ष, संभागीय आयुक्त और कलेक्टर्स को पत्र जारी कर निर्देश दिये है। अभियान के दौरान प्रदेश भर की ग्राम पंचायतों में भी सामुहिक रूप से संविधान प्रस्तावना का वाचन किया जायेगा। ग्राम पंचायतों को बाबा साहेब डॉ. बी.आर. अंबेडकर के योगदान का प्रचार करने के लिये मायभारत स्वयं सेवकों के माध्यम से संविधान स्वाभिमान यात्राएं आयोजित की जायेगी।

यह यात्राएं अनुसूचित जाति-अनुसूचित जनजाति घनत्व वाली आबादी में विशेष रूप से होंगी। यात्रा के दौरान बाबा साहेब की प्रतिमाओं पर पुष्पांजलि अर्पित की जायेगी। ग्राम सभाओं में संविधान के अनुच्छेद-51(ए) में नागरिकों के मौलिक कर्त्तव्यों को पढ़कर सुनाया जायेगा।

विद्यार्थीयो ने संविधान दिवस पर ली शपथ

इंदौर। श्री वैष्णव कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड कॉमर्स के अन्तर्गत भारतीय संविधान के महत्व को समझाने और उसके पालन के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से में संविधान दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम मे प्राचार्य डॉ. परितोष अवस्थी ने कहा कि। संविधान लोकतंत्र का सुंदर श्रृंगार है, जो भारत का आधार स्तम्भ है। आज के इस युग मे संविधान के बिना जीने की कल्पना संभव नहीं।

कार्यक्रम की शुरुआत में राष्ट्रीय सेवा योजना (रासेयो) के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. प्रणव श्रोत्रिय ने संविधान पर व्याख्यान देकर उसके पालन और महत्व पर प्रकाश डाला। रेड रिबन क्लब के प्रभारी डॉ. अनिल शर्मा ने विद्यार्थियों को संविधान दिवस की शपथ दिलाई। इस अवसर पर ÷संविधान का ज्ञान÷ विषय पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।कार्यक्रम में प्रो.विभोर ऐरन, डॉ. वंदना मिश्रा, डॉ. वंदना वर्मा, डॉ. योग्यता मिश्रा समेत कई प्राध्यापक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे,आभार प्रो हितेश चौधरी ने माना।

अरिहंत ग्रुप की साधारण सभा तपस्वी सम्मान एवं अंताक्षरी के साथ सम्पन्न

इंदौर। अरिहंत ग्रुप की साधारण सभा तपस्वी सम्मान एवं अंताक्षरी के साथ वीर वीरेंद्र गार्डन पर सम्पन्न हुई। वर्षीतप, उपधान तप, अठाई, तैला एवं उपवास के सभी तपस्वीयो का सम्मान अरिहंत ग्रुप के विजय जी ललवानी, प्रदीप जी ललवानी, मनोहर जी लोढा, विरेन्द्र जी पोखरना, सुनिल जी कटारिया द्वारा किया गया। संजय प्रिती जी दलाल, विरेन्द्र मंजु जी मेहता, दीपेश किर्ति जी चेलावत के संयोजन में आदरणीय सुनिल जी सामोता द्वारा शानदार अंताक्षरी खीलाई गई । अंताक्षरी में चार ग्रुप के माध्यम से गीतों का संचालन किया गया । सभी ने खूब मस्ती में गीतों का आनंद लिया। अंत में चंदा जी लोढा की यलो टीम को प्रथम स्थान प्राप्त करने पर टीम के सभी सदस्यों को पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। उक्त जानकारी संस्था के मिडिया प्रभारी दीपक दूग्गड द्वारा दी गई।

कविता गीत गज़लो से सजी एक सुरमयी शाम

इंदौर। सरोकार साझा मंच इंदौर द्वारा अभिनव कला समाज गांधी हाल सभागृह इंदौर में कविता, गीत, गजलों से सजी एक शाम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रसिद्ध गजलकार, एस्ट्रोलॉजिस्ट व कार्यक्रम के समन्वयक पंडित आलोक रंजन त्रिपाठी जी ने मंगल गीत के साथ किया।

वरिष्ठ मृदुला शर्मा ने वीर रस की कविता प्रस्तुत की । तुम्हें दिल में जबसे संभाले हुए हैं, मुहब्बत में तेरे हवाले हुए हैं। आलोक रंजन जी ने अपनी ग़ज़ल सुनाकर समां बांध दिया। निरुपमा त्रिवेदी ने मैं तुम्हारे प्रेम का श्रृंगार करना चाहती हूं, जन्मो जन्मो से यही हर बार करना चाहती हूं श्रृंगार रस की कविता सुना कर सबका मन मोह लिया । चांद का पहरा रहा आसमान पर, कुछ न कुछ गुनगुनाता रहा। करुणा प्रजापति ने मधुर कविता सुनाकर मंत्र मुग्ध कर दिया। निर्मला द्विवेदी ने तुम अगर पढ़ना चाहो, मै कविता बन जाऊं शीर्षक से भावपूर्ण कविता प्रस्तुत की। हमने ही तो प्रेम धरा में क्रोध का बाँध बनाया है। छोड़ एकता की बंधन को, भेदभाव अपनाया है। कविता के माध्यम से गरिमा श्रीवास्तव एकता देश प्रेम, सामंजस्य का आव्हान किया। शुभी श्रीवास्तव ने भी सुंदर कविता प्रस्तुत की। अंत में करुणा प्रजापति ने सभी का आभार प्रदर्शित किया। सरोकार साझा मंच की संचालिका महिमा शुक्ला ने सुंदर सफल आयोजन के लिए सभी को शुभकामनाएं प्रदान की।

गृह विभाग ने संभागायुक्त के आदेश को यथावत रखा

इंदौर। गृह विभाग ने एनडीपीएस एक्ट 1988 के प्रकरणों अन्तर्गत संभागायुक्त दीपक सिंह द्वारा जारी निरूद्ध आदेश को यथावत रखा है। संभागायुक्त सिंह ने विशाल उर्फ चिरोंजी पिता दशरथ विजोरे, गौतमराव पिता गणपत राव और अजय पिता बद्रीलाल चौहान, सभी निवासी इंदौर के विरूद्ध अधिनियम की धारा-3 की उपधारा-1 के अंतर्गत डिटेंशन आदेश जारी किया था। आदेश को मध्यप्रदेश शासन गृह विभाग ने मंत्रणा बोर्ड के प्रतिवेदन के आधार पर यथावत रखने के आदेश जारी किये हैं।

सूर्यदेव जयसिंह मध्य प्रदेश विद्युत मंडल संघ के प्रांतीय अध्यक्ष बने

हर्ष सुनहरे / जयेश माखनिया की रिपोर्ट

इंदौर। मध्य प्रदेश विद्युत मंडल आरक्षित वर्ग अधिकारी एवं कर्मचारी संघ के चुनाव पश्चिम क्षेत्र पोलो ग्राउंड परिसर के सभागृह में संपन्न हुए। जिसमें प्रांतीय अध्यक्ष के पद हेतु इंजीनियर सूर्यदेव जयसिंह को बहुमत हासिल हुआ । इस अवसर पर सभी के बीच संविधान के उद्देश्य का किया गया वाचन किया गया।

अध्यक्ष पद पर निर्वाचित हुए सूर्यदेव सिंह ने इस अवसर पर कहा कि सभी साथियों का मैं बहुत-बहुत आभार व्यक्त करता हूं आपने मुझ पर भरोसा जताया और मुझे बहुमत से प्रांतीय अध्यक्ष के रूप में स्वीकार किया। साथी आज इस मौके पर मैं आपको भरोसा दिलाना चाहता हूं आप जब भी जहां भी हमारे कर्मचारियों अधिकारियों के साथ में किसी भी प्रकार का शोषण होता या उनके हक अधिकारों के साथ छेड़खानी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

इंदौर के मध्य प्रदेश विद्युत मंडल अधिकारी कर्मचारी संघ के चुनाव मध्य प्रदेश विद्युत मंडल पश्चिम क्षेत्र इंदौर के पोलो ग्राउंड परिसर के सभागृह में चुनाव हुआ जिसमें प्रांतीय अध्यक्ष पद पर इंजीनियर सूर्य देव जयसिंह को बहुमत हासिल हुआ और सर्व सहमति से प्रांतीय अध्यक्ष के रूप में स्वीकार किया गया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में इंजीनियर एन एस मंडलोई उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता इंजी. गजरा मेहता कार्यपालक निदेशक इंदौर ने की। मुख्या वक्ता के रूप में मा. सुदेश बागडे , अस्सिस्टेंट कमिश्नर, विशिष्ट अथिति मा. बी,पी. सलोकी ,स्क विशिष्ट अथिति डॉ. जगन्खांनाथ खांडेकर, विशिष्ट अथिति डॉ. आर. पी अथानेरे, अथिति- के. के. बंजारी , डी. के. बुके, विशिष्ट अथिति - एमएल शाक्य संथापक, मा. व्ही.एस. महतो संरक्षक सदस्य, अथिति - मा. अशोक मदुराज उपस्थित थे।

प्रांतीय कमेटी के समस्त पदों पर भी चुनावी प्रक्रिया से ही पदों का चयन हुआ। जिसकी घोषणा कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे इंजीनियर गजरा मेहता ने मंच के माध्यम से की । कार्यक्रम की शुरुआत समस्त महापुरुषों को नमन करते हुए एवं संविधान की उद्देश्य का वाचन करते हुए कार्यक्रम को प्रारंभ किया गया। जिसमें वर्तमान अध्यक्ष ने बताया कि मध्य प्रदेश के विद्युत मंडल आरक्षक वर्ग अधिकारी एवं कर्मचारी संघ के सभी सदस्यों एवं कार्यक्रम में उपस्थित और जो साथी उपस्थित नहीं हो पाए हैं ऐसे सभी साथियों का मैं बहुत-बहुत आभार व्यक्त करता हूं आपने मुझ पर भरोसा जताया और मुझे बहुमत से प्रांतीय अध्यक्ष के रूप में स्वीकार किया।

आज इस मौके पर मैं आपको भरोसा दिलाना चाहता हूं , आप जब भी जहां भी हमारे कर्मचारियों अधिकारियों के साथ में किसी भी प्रकार का शोषण होता या उनके हक अधिकारों के साथ छेड़खानी बर्दाश्त नहीं की जाएगी । संगठन उनके साथ डटकर खड़ा रहेगा। जल्दी ही पूरे प्रांत में जिला वाइज जिला की कमेटियों का गठन किया जाएगा। जिससे संगठन का विस्तार होगा और हम हर क्षेत्र के अंतिम कर्मचारी के हितों का ध्यान रख सके।

विचार प्रवाह

रिश्तों में सेंध लगाती टेक्नोलॉजी

रिश्तों और विवाहों पर प्रौद्योगिकी का प्रभाव!! प्रौद्योगिकी रिश्तों और घरों पर सकारात्मक और नकारात्मक दोनों प्रभाव डाल सकती है।

यहां कुछ कारण दिए गए हैं जिनसे तकनीक रिश्तों पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकती है;

1. सोशल मीडिया की लत; सोशल मीडिया के अत्यधिक उपयोग से आमने-सामने बातचीत कम हो सकती है और अकेलेपन की भावनाएँ गहरी हो सकती हैं।

2. साइबर बेवफाई;ऑनलाइन छेड़खानी या अफेयर्स विश्वास और अंतरंगता को नुकसान पहुंचा सकते हैं।

3. संचार में कमी; डिजिटल संचार पर अत्यधिक निर्भरता से गलतफहमियां पैदा हो सकती हैं और भावनात्मक बुद्धिमत्ता में कमी आ सकती है।

4. विकर्षणों में वृद्धि; लगातार सूचनाएं और डिजिटल उत्तेजना एक साथ बिताए गए गुणवत्तापूर्ण समय को कम कर सकते हैं।

5. अवास्तविक अपेक्षाएँ;सोशल मीडिया अक्सर अवास्तविक संबंध मानक प्रस्तुत करता है, जिससे निराशा और असंतोष पैदा होता है।

6. गोपनीयता के मुद्दे; व्यक्तिगत जानकारी ऑनलाइन साझा करना रिश्ते की गोपनीयता और विश्वास से समझौता कर सकता है।

7. पलायनवाद;प्रौद्योगिकी रिश्ते के मुद्दों को सीधे संबोधित करने के बजाय उनसे अस्वास्थ्यकर पलायन के रूप में काम कर सकती है।

8. सीमाओं का अभाव; लगातार कनेक्टिविटी व्यक्तिगत सीमाओं को धुंधला कर सकती है, जिससे जलन और नाराजगी हो सकती है।

9. तुलना और ईर्ष्या; सोशल मीडिया तुलनाएं ईर्ष्या को बढ़ावा दे सकती हैं और किसी के अपने रिश्ते में संतुष्टि को कम कर सकती हैं।

10. लत प्रौद्योगिकी की लत रिश्ते की जिम्मेदारियों और भावनात्मक जरूरतों की उपेक्षा का कारण बन सकती है। प्रौद्योगिकी के उपयोग और अपने रिश्तों के पोषण के बीच संतुलन बनाए रखना आवश्यक है।

स्वस्थ संबंधों को बढ़ावा देने के लिए सीमाएँ निर्धारित करें, आमने-सामने बातचीत को प्राथमिकता दें और मुद्दों को सीधे संबोधित करें।

कोशिश करें कि टेक्नोलॉजी और सोशल मीडिया से रिश्तों में मिठास बढ़े और सामाजिक ताने बाने को मजबूती मिल सके ।

नीना जैन लाइफ कोच दूरदर्शन एंकर

दशनाम गोस्वामी समाज इंदौर की युवा शाखा में समाज को संगठित करने और कुरीतियों को दूर करने को लेकर चर्चा

इंदौर। अखिल भारतीय दशनाम गोस्वामी समाज युवा शाखा के प्रदेश अध्यक्ष कमलपुरी गोस्वामी के आह्वान पर समाज युवा शाखा के समाज को संगठित करने,युवाओं को समाज के मुख्य धारा से जोड़ने एवं मंदिर में हमारी भूमिकाओं पर चर्चा करने के उद्देश्य से चाय पर चर्चा अभियान चलाया। इंदौर युवा शाखा के प्रभारी श्री राज भारती, एवं जिलाध्यक्ष श्री सचिन पुरी,श्री अभिषेक भारती, श्री नागेश पुरी, श्री पंकज गिरि,श्री माधव गिरि (कथा वाचक), श्री प्रवीण पुरी, श्री महेंद्र पुरी जी, श्री कुणाल पुरी सहित अन्य विभिन्न क्षेत्रों अपनी बात रखी इंदौर जिले के मांगलिया क्षेत्र के-ढाबली गांव, मांगलिया गांव, मंगल विहार कॉलोनी, गायत्री कॉलोनी, रघुवंशी कॉलोनी, मेल कलम गांव, तलावली चांदा, डकाच्या, लसुड़िया, पलासिया, मंडलावदा, रिंगनोटी,कदवाली, गांधीनगर गाँवो मे जाकर चाय पर चर्चा करते हुवे मुख्य रूप से समाज को संगठित करेंगे, समाज की कुरीतियों को दूर करेंगे, समाज को शिक्षा शिक्षा का स्तर ठीक हो युवाओं को समाज के मुख्य धारा से जोड़ने समाधि स्थल अवैध अतिक्रमण अतिक्रमण जिनमेट मंदिरों में समाज बंधुओ द्वारा पूजा की जा रही है

ऊंट मंदिरों की व्यवस्था एवं हमारी भूमिका व्यवस्थाएं विचार किया गया सभी समाजजनों ने इस अभियान की बहुत ही सराहना की हर परिवार से युवाओं को समझ में सकरी करने का अस्वस्थ किया अभियान के के समापन अवसर पर अखिल भारतीय दशनाम गोस्वामी समाज के युवा प्रदेश अध्यक्ष श्री कमलपुरी गोस्वामी जी, श्री सुनील गिरि सुलचानिया जी श्री दशरथ गिरि जी (प्रदेश महासचिव), एवं सम्पूर्ण युवा टीम गांधीनगर मे श्री दिनेश गोस्वामी जी के घर पर विस्तार से चर्चा हुई । युवा शाखा प्रभारी श्री राज भारती एवं अध्यक्ष सचिन गिरी ने चाय पर चर्चा के माध्यम सभी युवाओं को समाज अपनी भूमिका सुनिश्चित करते हुए समाज को संगठित करने का कार्य सभी युवा मिलकर करेंगे समापन अवसर पर इंदौर के गांधीनगर में प्रदेश अध्यक्ष कमलपुरी गोस्वामी ने कहा कि चाय पर चर्चा अभियान को पूरे मध्य प्रदेश में 6 माह तक चलाया जाएगा उसके उपरांत मध्य प्रदेश का एक बड़ा युवा महोत्सव किया जाएगा

देपालपुर की जाम समस्या: प्रशासनिक उदासीनता या जनप्रतिनिधियों की परवाही

देपालपुर। नगर आज एक ऐसी समस्या से जूझ रहा है, जो न केवल नागरिकों के दैनिक जीवन को बाधित कर रही है, बल्कि नगर के विकास पर भी प्रश्नचिह्न खड़ा कर रही है। हर मिनट नगर की सड़कों पर लगने वाला जाम न केवल वाहन चालकों बल्कि पैदल चलने वाले नागरिकों के लिए भी सिरदर्द बन चुका है। इस समस्या ने देपालपुर को एक अव्यवस्थित नगर के रूप में पेश किया है, जहां सड़कों को गैराज और गलियों को पार्किंग स्थल बना दिया गया है। हर दिन की कहानी- जाम में फंसे लोग, उभरते विवाद देपालपुर की सड़कों पर जाम लगना अब कोई नई बात नहीं रह गई है। नगर के हर कोने में यह समस्या इतनी बढ़ गई है कि लोग इसे अब अपनी दिनचर्या का हिस्सा मानने लगे हैं। वाहन चालकों की मनमानी और प्रशासन की निष्क्रियता ने नगर को एक यातायात संकट की ओर धकेल दिया है। जाम के कारण कई बार विवाद और झगड़े की स्थिति उत्पन्न होती है, जिससे नगर में शांति व्यवस्था भी खतरे में पड़ जाती है। अतिक्रमण और अव्यवस्थित पार्किंग: समस्या की जड़ देपालपुर में जाम की मुख्य वजह है सड़कों पर अतिक्रमण और वाहनों की अनियंत्रित पार्किंग। नगर में पर्याप्त स्थान होने के बावजूद, सड़क किनारे अवैध कब्जे और वाहनों को मनचाही जगह खड़ा करने की प्रवृत्ति ने यातायात व्यवस्था को पूरी तरह से ध्वस्त कर दिया है। नगर की प्रमुख सड़कों से लेकर गली-मोहल्लों तक की स्थिति बदतर हो चुकी है। नागरिक सड़कों पर वाहनों को खड़ा करने की वजह से रोजाना दिक्कतों का सामना कर रहे हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि नगर की सड़कों को गैराज समझ लिया गया है। वर्षों से इस समस्या के समाधान के लिए कोई ठोस

कार्रवाई नहीं की गई है।

क्या कर रहे हैं जनप्रतिनिधि और प्रशासन? देपालपुर नगर की इस गंभीर समस्या पर स्थानीय प्रशासन और जनप्रतिनिधियों की उदासीनता सवाल खड़े कर रही है। जनता ने नगर पालिका और जनप्रतिनिधियों को अपने क्षेत्र के विकास और समस्याओं के समाधान के लिए चुना था, लेकिन उनकी नीतिगत विफलता के कारण नगरवासी रोजाना जाम की समस्या से जूझ रहे हैं। जब इस विषय पर थाना प्रभारी रणजीत सिंह बघेल से चर्चा की गई, तो उन्होंने कहा कि एसडीएम से अनुमति लेकर जल्द ही सड़क किनारे खड़े वाहनों के खिलाफ कार्रवाई शुरू की जाएगी। इसके साथ ही अतिक्रमण हटाने और चालानी कार्रवाई के लिए विशेष मुहिम चलाई जाएगी।

शादियों का सीजन और बढ़ता यातायात दबाव वर्तमान में शादियों का सीजन अपने चरम पर है, और नगर की यह स्थिति बताती है कि आगामी दिनों में यातायात का दबाव और भी बढ़ सकता है। जाम की मौजूदा स्थिति में सुधार नहीं किया गया तो शादियों के दौरान यातायात पूरी तरह से ठप हो सकता है।

जनप्रतिनिधियों और सरकार से अपील देपालपुर की जनता सरकार और जनप्रतिनिधियों से सवाल कर रही है- क्यों नहीं हो रही अतिक्रमण के खिलाफ ठोस कार्रवाई? क्यों सड़कों और गलियों को पार्किंग स्थल में तब्दील होने दिया जा रहा है? क्यों यातायात व्यवस्था सुधारने के लिए कोई मास्टर प्लान नहीं बनाया गया? यह केवल एक नगर की समस्या नहीं है, बल्कि यह प्रशासनिक लापरवाही और जनप्रतिनिधियों की असफलता का उदाहरण है। यदि जल्द ही इस पर ध्यान नहीं दिया गया, तो यह समस्या नगरवासियों के लिए एक बड़ी त्रासदी का रूप ले सकती है। देपालपुर की जनता की मांग सड़कों से अवैध अतिक्रमण हटाने की तत्काल कार्रवाई। पार्किंग के लिए अलग से व्यवस्था। यातायात पुलिस की संख्या बढ़ाना और नगर में ट्रैफिक नियमों को सख्ती से लागू करना। एक दीर्घकालिक यातायात योजना तैयार करना। यह खबर केवल देपालपुर तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। राज्य सरकार और उच्च अधिकारियों को इस समस्या का संज्ञान लेना चाहिए। जनप्रतिनिधियों को चाहिए कि वे नगर की इस गंभीर समस्या का समाधान निकालने के लिए ठोस कदम उठाएं और जनता को राहत प्रदान करें। देपालपुर की आवाज को अब अनसुना नहीं किया जा सकता।

इन्दौर को स्वछता की प्रतिस्पर्धा में जीत के लिए अब कठोर साधना की जरूरत

इन्दौर जो लगातार स्वछता में सात बार अव्वल आ रहा है अब उसे जीत का एक तमगा सा लग चुका है। परिस्थितियों से लोहा लेकर जब शुरुआत की थी तों कचरों का पहाड़ खड़ा था चुनौतियां ज्यादा थी संसाधन कम थे। आज सब कुछ है बस सफ़ाई की अष्टसिद्धि के लिए लगातार ज्यादा परिक्षम कर के फिर एक बार नम्बर वन पर इन्दौर को आना ही होगा। निरंतर हर साल लगातार सेंवन स्टारों के साथ शहर इन्दौर ने स्वछता के सात सितारे लगा कर पूरे भारत के लिए प्रेरणास्रोत बन गया है । आज नगर निगम इन्दौर महानगर के सफ़ाई मित्र महिला पुरुष दोनों एक निडर व जांबाज सिपाहीयों के भांति ही दिन रात हर समय अपने शहर को चकाचक करने में लगे रहते हैं। इसी मेहनत का फल लगातार सात बार स्वछता का प्रथम पुरस्कार इन्दौर शहर को मिल रहा है। चाहे होली हो दीपावली ईद या गुरुनानक देव का प्रकाश पर्व और महावीर जयंती का परम्परागत जुलूस सभी के पूरे होने के बाद जिस प्रकार शहर के उन जगहों पर जहां यह आयोजन हुएं वहां त्वरित सफ़ाई मिशन शुरू कर फिर से अपने इन्दौर को साफ कर देते हैं। भारत में यह एक अजूबा ही हो रहा है अब पूरे भारत में साफ सफाई व स्वछता एक आंदोलन बन गया है। उस आंदोलन या मिशन का सिरमौर इन्दौर बना हुआ है जो सही राह दिखा रहा। लगातार बहुत अच्छा प्रदर्शन करना इस महायज्ञ में सफाई की इस अष्टसिद्धि के लिए फिर से शहर के नागरिकों समाजिक कार्यकर्ता समाजसेवी संगठन व अन्य धार्मिक संस्थाएं के सदस्य नेता राजनेता जनप्रतिनिधिगण संत महात्मा अधिकारी महापौर मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री सभी मिलकर इस स्वछता की तपोभूमि इन्दौर में तपस्यारत है और अपने अपने स्तर पर काम कर रहे हैं। वहीं

सफ़ाई मित्र भी अपने शहर को जीतने के लिए आगे बढ़ रहें हैं। यह अपनी जिम्मेदारी को ईमानदारी से निभाने की पहल से ही आज कचरे से कंचन तक की यह यात्रा जारी है। यह यात्रा इतनी आसान नहीं थी कचरों के बड़े बड़े पहाड़ों को हटाने वाला शहर इन्दौर अब भी घमंड लालच से दूर जीत के लिए श्रम साधना का शंखनाद करने के लिए तैयार है। नगर निगम की पूरी टीम साल भर अपने अपने स्तर पर महानगर को सफ़ाई के प्रति जागरूकता व नागरिकों समझता रहेता है वह अति उत्साह में कमियों व नाकारात्मक पहलू से दूर नहीं भागता है इसीलिए हर एक पहेलू पर वैचारिक मंथन व चिंतन कर के इस आठवीं सिध्दी को पाने हेतु प्रयासरत हैं। इस सभी कामों में सफ़ाई मित्र सबसे ज्यादा काम करते हैं इस कर्मवीर कर्मचारियों की सहारना पूरा शहर करता है यह दिन रात का परिश्रम ही है जो बहार से आने वाले लोगों को भी दिखाई देता है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के सपनों के भारत में सफ़ाई स्वछता की जो बातें कही गई थी और जो लोग सुनते भी है की स्वच्छता में ईश्वर का बास होता है उसी बात को जब लालकिले की प्राचीर से देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने 2 अक्टूबर के दिन से स्वछता की साधना की बात रखी थी तभी से साफ सफाई का महात्व को हमारा पूरा भारत मान भी रहा है और समझ भी गया है। तभी तो आठ सालों से मध्यप्रदेश के बहुत से शहर इस हवन-यज्ञ में अपनी अपनी आहुति देते आ रहे हैं। खासकर इन्दौर तो इस यंत्र का महामंडलेश्वर प्रथम स्वामी बन गया है। हमारे इन्दौर को मालूम है की कोई भी सिध्दी आसानी से नहीं मिलती इसके लिए साधना करना पढ़ती है क्यों तप तप कर ही सोना बनता है। जमीनी हकीकत से रूबरू होकर हर एक कर्मवीर शहर हितों में सफाई की इस महापूजा या यज्ञ में साधना कर रहे हैं ऐसे सभी साधक को नमन। इसी के बल पर एक बार इन्दौर सिरमौर बनाने में अव्वल हो सकता है टीम भावना व मिलकर कार्यसिद्धि के इस अटूट प्रयास में हर एक गली मोहल्ले हर एक क्षेत्र में हम सभी सफ़ाई मित्रों के साथ अपने शहर के नागरिक होने की जिम्मेदारी निभायें। घर आफिस दफ्तर दुकानों से निकले वाले कचरे को अलग-अलग रख कर गीला सुखा अलग कर के दे और रोको टोको भी जारी रखें यदि कोई कचरा फैला रहा हो गंदगी कर रहा हो तो उसे सही गलत बतायें यह सहयोग ही हमें आगे सफलता दिलाने में मददगार साबित होगा। युवा पीढ़ी को बच्चों को साफ सफाई के बारे में जागरूक करना हमारी जवाबदारी है गंदगी से बिमारियों का सम्राज्य पनपता है। भविष्य में सफाई से ही स्वछता का सिरमौर बनाने में हर एक शहर राज्य आगे बढ़ेंगे ?, इसलिए इस सफ़ाई

की अच्छी शुरुआत को प्रेरणा मानकर जब इन्दौर शहर प्रथम आने के लिए आठवीं बार फिर जीत के लिए आगे बढ़ रहा है तो अन्य राज्यों व शहरों को भी आगे आना होगा। सिर्फ नगर परिषद , नगर निगम के भरोसे या गंदगी फैली हो या सफाई में लापरवाही जनता की हो या निगम की उसे छुपना नहीं चहिए सकारात्मक प्रयासों से एकजुटता से आपस में मिलकर हम यह वचन ले की हम शहर की जागरूकता के सफ़ाई मिशन के लिए अपना नागरिक होने का फ़र्ज़ निभायगे । क्यों बिना मेहनत के साधना कैसे सफल होगी , इसलिए हमारे इन्दौर को अष्टसिद्धि की प्राप्ति के लिए अभी बहुत परिश्रम करना होगा। इन्दौर की दिवारो पर सनातन संस्कृति देशभक्ति के रंग के साथ साथ प्रकृति के करीब लाने हेतु 3 डी कलर में शहर की दीवारों पर तस्वीरें सभी को लुभाती है। और जो चीजें काम नहीं आती है और वह कचरें में अटाले में पड़ी थी उसी बेस्ट चीजों से कबडे से सफ़ाई दीदी और बब्बर शेर घोड़ा आदि बहुत सी कलाकृतियां बनाई गई जिसे देखकर मन प्रसन्न हो जाता है। छोटी छोटी गलियों से कचरा उठाने के लिए इलेक्ट्रीक रिक्शा छोटी गाड़ी भी घर घर जायेगी। तभी तो इन्दौर को स्वछता की प्रतिस्पर्धा में जीत के लिए अब कठोर साधना की जरूरत है।

हरिहर सिंह चौहान जबरी बाग़ नसिया इन्दौर मध्यप्रदेश 452001

मोबाइल 9826084157

वन्य जीव हमले से मृत्यु पर 25 लाख मुआवजा

10 लाख मुआवजा तत्काल, 15 लाख एफडी में मिलेगा

इन्दौर । मप्र में वन्य जीव के हमले से किसी भी व्यक्ति की मृत्यु होने पर आठ लाख रुपये के स्थान पर अब 25 लाख रुपये देने का निर्णय राज्य सरकार ने लिया है। वन विभाग मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की घोषणा के अनुसार जंगलों में वन्यप्राणी के हमले में मरने वाले व्यक्तियों को 25 लाख रुपये हर्जाना देने का प्रस्ताव तैयार कर रहा है। इसमें आर्थिक सहायता दो किस्त में दी जाएगी।वन्यप्राणी के हमले पर व्यक्ति की मृत्यु पर उसके स्वजन को तुरंत 10 लाख रुपये दिए जाएंगे। शेष 15 लाख रुपये की बैंक में एफडी की जाएगी। इसमें 10 लाख रुपये की एफडी पांच साल बाद और शेष पांच लाख रुपये की एफडी 10 साल बाद तोड़ी जाएगी। यह राशि मृतक के वारिसों को ब्याज सहित भुगतान की जाएगी। एक साल में करीब 40 मामले वर्तमान में वन विभाग के पास एक साल में जनहानि के करीब 40 मामले आते हैं, जिनमें मुआवजा देने के लिए करीब तीन करोड़ रुपयों का बजट रखा जाता है। यह प्रस्ताव जल्द ही कैबिनेट में प्रस्तुत करने की तैयारी है। महाराष्ट्र में इसी तरह वन्यजीव के हमले से मृत्यु पर स्वजन को राशि दी जाती है। बता दें कि मप्र में वर्तमान में जनहानि पर मुआवजा राशि आठ लाख रुपये, उपचार पर हुआ व्यय तथा स्थाई अपंगता पर दो लाख रुपये दिए जाते हैं। वहीं महाराष्ट्र में वन्यप्राणी के हमले से जनहानि पर 25 लाख, छत्तीसगढ़ में छह लाख और उत्तर प्रदेश, राजस्थान व गुजरात में पांच-पांच लाख रुपये मुआवजा दिया जाता है। पांच साल में 292 से अधिक लोगों की मौत मध्य प्रदेश में बाघ-तेंदुआ सहित अन्य मांसाहारी वन्यप्राणियों के जंगल से बाहर निकलकर नजदीक की बस्ती में पहुंचने की घटनाएं बढ़ रही हैं। इससे मानव-वन्यप्राणी द्वंद की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। पिछले पांच साल में वन्यप्राणियों के हमले में 292 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है।

जेडी संभाग इंदौर व संयुक्त कलेक्टर ने दिलाई बालिकाओं को शपथ

इंदौर निप्र संविधान दिवस के उपलक्ष्य मे शा मालव कन्या उमावि मोतीतबेला इंदौर मे अरविंद सिंह बघेल , ज्वाइंट डायरेक्टर लोक शिक्षण संभाग इंदौर,श्रीमान विजय मंडलोई संयुक्त कलेक्टर पदेन DPC इंदौर के द्वारा संस्था की करीब 500 बालिकाओ को संविधान की शपथ दिलवाई गई व भारत संविधान उद्देश्यिका का वाचन किया गया। जेडी वह डीपीसी ने संविधान दिवस के बारे में विस्तृत जानकारी से बालिकाओं को अवगत करवाया। विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती बबिता हयारण जी व श्रीमती शशि गुप्ता व्यख्याता, श्री शिववीर सिंह भदौरिया, श्री राजेश सेठिया, श्री जोशी, ललित पारीख,ने अतिथियों का स्वागत किया। श्रीमती निर्मला द्विवेदी के द्वारा कार्यक्रम का संचालन किया गया। विशेष सहयोग कुमारी स्वामी भावसार श्रीमती अंजलि गौर एवं समस्त स्टाफ। इस अवसर पर समस्त स्टाफ व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

प्रदेश के वनों में भी विचरण करेंगे एक सींग वाले गेंडा

वन महकमा तलाश रहा है अनुकूल वन क्षेत्र

इन्दौर । मप्र वन्यजीवों के मामलों में अब देश के शीर्ष प्रदेशों में शामिल होने के लिए दस्तक दे रहा है। यही वजह है कि बीते कुछ सालों में प्रदेश को टाइगर, तेंदुआ, घड़ियाल के बाद चीता प्रदेश होने का तमगा मिल चुका है। इसके बाद अब जल्द ही प्रदेश में कुछ और दुर्लभ वन्य जीव दिखाई देंगे। इनमें प्रमुख रुप से एक सींग वाले गेंडे यानी राइनो भी शामिल होने जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ। मोहन यादव के निर्देश के बाद वन विभाग इसकी कार्ययोजना तैयार कर रहा है।

गेंडों के लिए अनुकूल आवास तलाशने के लिए वन विभाग ने देहरादून के वन्यजीव संस्थान से मदद मांगी है। इसके लिए भारतीय वन्यजीव संस्थान को पत्र लिखा गया है। इसके अलावा किंग कोबरा को भी ट्रांसलोकेट किया जाएगा। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री डॉ। मोहन यादव ने वन विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि लुप्त होने वाले वन्यजीवों को संरक्षित किया जाए। ऐसे वन्यजीवों को प्रदेश के वनों में बसाया जाए, जो अब लुप्त होने की कगार पर आ गए हैं। इसको देखते हुए वन विभाग प्रदेश के वनों में गेंडे और किंग कोबरा को बसाने की तैयारी कर रहा है।

इनके लिए अनुकूल आवास तलाशे जा रहे हैं। गेंडे गंभीर संकट वाले जीवों में शामिल दरअसल गेंडे अति गंभीर संकट वाले श्रेणी के जीवों में शामिल है। दुनियाभर में करीब 4 हजार गेंडे ही बचे हैं। इनमें से 2900 भारत में हैं। इनमें से भी 2500 से अधिक असम में हैं। इसके अलावा बंगाल और उत्तरप्रदेश के दूधवा नेशनल पार्क में गेंडे हैं।

अगर प्रदेश के वनों में गेंडे लाए जाते हैं, तो यह देश का चौथा राज्य हो जाएगा, जहां गेंडे मिलेंगे। किंग कोबरा सर्प के लिए भी तैयारी प्रदेश के वनों में किंग कोबरा सर्प को भी लाया जाएगा। इसके लिए वन विभाग प्रोजेक्ट तैयार कर रहा है।

मप्र में किंग कोबरा सांप तो पाया जाता है, पर इसकी संख्या बहुत कम हो गई है। किंग कोबरा सांप मुख्य रूप से उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश के शिवालिक और तराई क्षेत्रों में और पूर्वी घाटों में पाया जाता है। इसके अलावा तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, ओडिशा, बिहार, केरल कर्नाटक, महाराष्ट्र और गुजरात में भी पाया जाता है। इनकी कोई गणना नहीं होती। इस वजह से इनके आंकड़े उपलब्ध नहीं है। इसके लिए कर्नाटक से बात चल रही है। इन्हें मप्र लाने के लिए ट्रांसलोकेट करना होगा, जिसकी अनुमति भारत सरकार से मिलेगी। यह दुनिया का सबसे लंबा विषधर सर्प है, जिसकी लंबाई 516 मीटर तक होती। भारतीय किंग कोबरा सांप खाने वाला सांप है। बाघों की भी पुनर्स्थापना प्रदेश के कुछ टाइगर रिजर्व में बाघों की संख्या ज्यादा है, तो कुछ वनक्षेत्रों में कम बाघ है। इसको देखते हुए इनकी पुनर्स्थापना भी की जा रही है। इसके तहत शिवपुरी के माधव राष्ट्रीय उद्यान में 5 बाघो की पुनर्स्थापना की जानी है। भारत सरकार के पर्यावरण वन जलवायु परिवर्तन मंत्रालय और राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण से अनुमति मिल चुकी है। अब तक 2 बाघों को यहां भेजा जा चुका है। जल्द ही माधव राष्ट्रीय उद्यान में दो और बाघों की पुनर्स्थापना की जाएगी।

पत्नी की हत्या करने वाले पति को आजीवन कारावास

रतलाम। 27 महीने पूर्व अपनी पत्नी की हत्या करने वाले पति को न्यायालय तृतीय अपर सत्र न्यायाधीश बरखा दिनकर ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई। साथ ही पांच हजार का जुर्माना भी लगाया है। न्यायालय ने बच्चों को प्रतिकर राशि प्रदान करने की अनुशंसा रतलाम जिला विधिक सहायता प्राधिकरण को की है। अपर लोक अभियोजक एवं शासकीय अधिवक्ता सतीश त्रिपाठी ने बताया कि घटना दिनांक 9 व 10 अगस्त 2022 रात्रि की है व्र मृतिका शोभा बाई पति विजय जाट निवासी नामली अपने बच्चों के साथ कमरे में सो रही थी व्र सुबह- शोभा बाई मृत अवस्था में मिली थी व्र शोभा बाई एवं आरोपी विजय जाट पिता रतनलाल जाट के मध्य छोटी-छोटी बातों को लेकर झगड़ा होता था। मृतिका की मृत्यु विजय जाट द्वारा गला दबाने के कारण हुई थी। अभियुक्त विजय जाट को 21 अगस्त 2022 को गिरफ्तार कर भारतीय दंड संहिता की धारा 302 में मामला पुलिस थाना नामली द्वारा पंजीबद्ध कर तत्कालीन थाना प्रभारी प्रीति कटारे द्वारा मामले की विवेचना की गई थी। न्यायालय में अभियोग पत्र प्रस्तुत कर साक्ष्य प्रारंभ हुई। अभियोजन द्वारा प्रकरण में 11 व्यक्तियों के कथन करवाए गए थे। शासन की ओर से पैरवी अपर लोक अभियोजक सतीश त्रिपाठी ने की। प्रकरण का विचारण करते हुए न्यायाधीश बरखा दिनकर ने अपने 38 पेज के निर्णय में लिखा की मृतिका शोभा बाई की पुत्री खुशी घटना के समय घर पर थी। उन्होंने न्यायालय में अपनी गवाही के दौरान व्यक्त किया की घटना दिनांक को माता-पिता के मध्य झगड़ा हो रहा था। पिता ने हमें दूसरे कमरे में सुला दिया। इसके बाद लगभग 1 घंटे तक झगड़ा माता-पिता के मध्य चला रहा। फिर आवाज आना बंद हो गई थी व्र हमें भी नींद आ गई। सुबह जब हम स्कूल के लिए तैयार हुए तो हमारी माता शोभा भाई नहीं उठी। तो हम कमरे में गए। पिता वहीं पर थे। हमने उनसे बोला कि हमें स्कूल जाना है माता को उठाओ, तो पिता ने कहा कि पास में रहने वाले दादा दादी को बुलाकर लाओ। हम बुलाने गए इतने में पिता वहां से भाग गए थे। दादा-दादी ने माता को देखकर कहा कि हमारी माता की मृत्यु हो गई है। इसके बाद अस्पताल लेकर गए। न्यायालय ने मृतिका की पुत्री की साक्ष्य को संदेश से परे मानते हुए उन्हें घटना का साक्षी माना।न्यायालय ने मध्य प्रदेश अपराध पीड़ित प्रतिकर योजना 2015 के अंतर्गत मृतका के बच्चों को वर्तमान सामाजिक परिवेश में तथा प्रकरण की स्थिति को देखते हुए यथोचित प्रतिकार देने हेतु जिला विधिक सेवा प्राधिकरण रतलाम को अनुशंसा की है।

सरकार के 'बाल विवाह मुक्त भारत' अभियान शुरू किया गया

रतलाम/बाजना। भारत सरकार की ओर से नई दिल्ली में बाल विवाह मुक्त भारत अभियान की शुरुआत के बाद जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में वसुधा विकास संस्थान ने रैलियों व शपथ ग्रहण कार्यक्रमों का आयोजन महिला एवं बाल विकास विभाग के द्वारा रतलाम को बाल विवाह मुक्त बनाने का दिलाया संकल्प। भारत सरकार के नई दिल्ली के विज्ञान भवन में 'बाल विवाह मुक्त भारत' अभियान के उद्घाटन के मौके पर जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में रतलाम में बाल विवाह के खिलाफ काम कर रहे गैरसरकारी संगठन वसुधा विकास संस्थान के साथ मिलकर जागरूकता रैलियों का आयोजन किया और लोगों को बाल विवाह के खिलाफ शपथ दिलाई। वसुधा विकास संस्थान, बच्चों की सुरक्षा व संरक्षण के लिए देश के 400 से भी ज्यादा जिलों में काम कर रहे 250 से भी ज्यादा गैरसरकारी संगठनों के गठबंधन जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन (जेआरसी) का सहयोगी सदस्य है। इस मौके पर बाजना, रतलाम में हुए समारोह में उपस्थित जन। प्रतिनिधियों ने स्कूली बच्चों, महिलाओं और पंचायत प्रतिनिधियों व अन्य को बाल विवाह के खिलाफ शपथ दिलाई। जिले में जगह-जगह हुए कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में ग्रामीणों, पंचायत प्रतिनिधियों, आशा व आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, शिक्षकों के अलावा बाल विवाह पीड़िताओं ने भी भागीदारी की और बाल विवाह के खिलाफ शपथ ली। यह कार्यक्रम देश से बाल विवाह के खात्मे के लिए भारत सरकार के बाल विवाह मुक्त भारत' के आह्वान के समर्थन में किया गया, जिसका उद्घाटन 27 नवंबर को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने किया। इस दौरान उन्होंने पंचायतों और स्कूलों को बाल विवाह के खिलाफ शपथ दिलाई। उम्मीद की जा रही है कि जल्दी ही शपथ लेने वालों की संख्या 25 करोड़ तक पहुंच जाएगी। इस मौके पर बाल विवाहों की सूचना व शिकायत के लिए एक राष्ट्रीय पोर्टल भी शुरू किया गया। इस मौके पर बाल विवाह के दुष्प्रभाव बताते हुए कहा कि कम उम्र में शादी करने से बच्चों के शारीरिक, मानसिक, आर्थिक, सामाजिक एवं शैक्षणिक स्तर पर काफी बुरा प्रभाव पड़ता है। इससे बच्चे के बाल श्रम में जाने के अवसर बढ़ जाते है। इस राष्ट्रव्यापी अभियान और जमीन पर इसके असर की चर्चा करते हुए वसुधा विकास संस्थान ने कहा, की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में बाल विवाह के खात्मे के लिए महिला एवं बाल कल्याण मंत्रालय की ओर से शुरू किया गया अभियान इस बात का सबूत है कि सरकार इस सामाजिक बुराई की गंभीरता से अवगत है। आज भी देश में 23 प्रतिशत से ज्यादा लड़कियों का बाल विवाह होता है जो न सिर्फ जीवनसाथी चुनने के उनके अधिकार का हनन है बल्कि इससे लड़कियों की शिक्षा, स्वास्थ्य के साथ रोजगार और आर्थिक निर्भरता की उनकी संभावनाओं पर भी बेहद बुरा असर होता है। सरकार की योजना इस अभियान में सभी हितधारकों को साथ लेकर चलने की है और 'जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन' का सहयोगी संगठन होने के नाते हम इसमें पूरी तरह साथ हैं। वर्षों से बाल विवाह के खिलाफ काम करने के नाते हम भली भांति जानते है कि समग्र और समन्वित प्रयासों के बिना यह लड़ाई नहीं जीती जा सकती। लेकिन अब हमें विश्वास है कि सरकार और नागरिक समाज के साझा प्रयासों से भारत 2030 से पहले ही बाल विवाह के खात्मे के लक्ष्य को हासिल कर सकता है।

खेत पर बने कमरे पर युवक ने लगाई फांसी, जांच में जुटी पुलिस

रतलाम। जिले के जावरा तहसील में बुधवार सुबह एक युवक ने अपने खेत पर बने कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना मिलने पर मोके पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को फंदे से उतारा। जानकारी के अनुसार जावरा के लुहारी क्षेत्र में रहने वाला हुसैन पिता रफीक उर्फ (रफ्फू भाई) उम्र करीब 35 वर्षीय खेत बने कमरे में फांसी पर लटकता हुआ पाया गया। घटना का खुलासा परिजनों के पहुंचने पर हुआ। परिजनों का शोर सुनकर आसपास के लोग भी मौके पर पहुंचे और पुलिस को सुचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतक को फंदे से उतारा और पोस्टमार्टम हेतु शव को अस्पताल पहुंचाया। अपुष्ट सूत्रों के अनुसार मृतक मंगलवार को किसी मामले को लेकर क्षेत्रीय थाने में रिपोर्ट दर्ज करने के लिए गया था ,फ़िलहाल आत्महत्या के पीछे का कारण स्पष्ट नहीं हुआ है। पुलिस मर्ग कायम कर मामले की जांच में जुटी हुई है।

हमारा संविधान हमारा अभिमान

रतलाम।

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस, शासकीय कला एवं विज्ञान महाविद्यालय रतलाम में संविधान अपनाने के 75 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में राजनीति विज्ञान विभाग, स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन एवं भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वाधान में संविधान दिवस मनाने हेतु कार्यक्रम की एक श्रृंखला आयोजित की गई।

जिसके अंतर्गत प्रदर्शनी, प्रस्तावना वाचन, डॉक्यूमेंट्री फिल्म प्रदर्शन, संविधान निर्माण में मध्य प्रदेश के योगदानकर्ताओं से परिचय, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, पोस्टर निर्माण, व्याख्यान कार्यक्रम, रैली आदि का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.वी. शास्त्री ने उद्देशिका वाचन के साथ किया। प्राचार्य ने विद्यार्थियों को उद्बोधित करते हुए कहा कि संविधान देश के राजनीतिक ढांचे का प्रतिबिंब है तथा जिससे नागरिकों के अधिकार व कर्तव्यों का ज्ञान भी प्राप्त होता है। संविधान निर्माताओं ने भारत के सुनहरे भविष्य को ध्यान में रखकर संविधान तैयार किया तथा 26 नवंबर 1949 को संविधान को अंगीकृत किया गया। उन्होंने कहा कि संविधान दिवस केवल एक औपचारिक दिन नहीं है, बल्कि यह हमारे देश की लोकतांत्रिक संरचना

और राष्ट्रीय एकता का प्रतीक है। यह हमें संविधान के प्रति अपने दायित्वों की याद दिलाता है और समाज में न्याय, समानता और स्वतंत्रता को बनाए रखने की प्रेरणा देता है। इसके पश्चात विद्यार्थियों को संविधान निर्मात्री सभा में मध्यप्रदेश से भूमिका निभाने वाले विद्वजनों से पीपीटी प्रेजेंटेशन के माध्यम से अवगत कराया गया। तत्पश्चात विद्यार्थियों को संविधान निर्माण प्रक्रिया से अवगत कराने हेतु डॉक्यूमेंट्री फिल्म दिखाई गयी। संविधान पर आधारित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता तथा पोस्टर निर्माण गतिविधि का भी आयोजन किया गया। संविधान एवं संविधान दिवस की महत्ता पर प्रकाश डालने के लिए डॉ. स्वाति पाठक एवं डॉ. इंदु कटारिया द्वारा व्याख्यान कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को संबोधित किया गया। डॉ. स्वाति पाठक ने संविधान की विशेषताओं से अवगत करते हुए बताया कि हमारा संविधान मानवता और जनकल्याण पर आधारित है जो सबको समान अवसर तथा न्याय को सुनिश्चित करता है। इंदु कटारिया ने श्रोताओं को संविधान सभा में हुई रोचक और ज्ञानवर्धक बहस के बारे में बताया की हमारे संविधान में प्रत्येक विवरण गहरे विचार विमर्श के पश्चात ही सम्मिलित किया गया है। इसके पश्चात विद्यार्थियों द्वारा हमारा संविधान हमारा अभिमान के नारे लगाते हुए रैली निकाली गई । राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा संविधान दिवस के अवसर पर संविधान की आर्ट और कैलीग्राफी को दिखाती हुई प्रदर्शनी का आयोजन भी किया गया। महाविद्यालय के समस्त स्टाफ, विद्यार्थियों तथा रतलाम शहर के गणमान्य नागरिकों ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया और सराहा । कार्यक्रम की संयोजक सहायक प्राध्यापक पूनम चौधरी थी। कार्यक्रम में राजनीति विज्ञान विभाग के सभी सदस्यगण डॉ. स्वाति पाठक, डॉ. सुशीला आर्य, डॉ. इंदु कटारिया, डॉ. भारती लुणावत, डॉ. श्वेता टेवानी एवं महाविद्यालय का समस्त स्टाफ तथा विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

रतलाम में दरगाह ढहाई गई, मजार सुरक्षित

रतलाम।

जावरा फाटक से सेजावता फंटे तक बन रहे फोरलेन के बीच में आ रही पहलवान बाबा की दरगाह का बचा हिस्सा बुधवार को हटा दिया गया।

सुबह प्रशासन की टीम पहुंची और मजार को बचाते हुए बाहरी हिस्से को गिरा दिया। पूरा स्ट्रक्चर ढहाने के बाद मलबा को वहां से हटवाया गया। कार्रवाई पूरी हुई तो मजार को पूरी तरह से साफ कर कर्मचारियों ने फूल चढ़ाए।

जावरा फाटक से सेजावता फंटे तक 4.12 किमी लंबे फोरलेन का काम चल रहा है। इसमें पहलवान बाबा की दरगाह का कुछ हिस्सा आ रहा था। इसे हटाने को लेकर विवाद के हालात बने तो प्रशासन ने दरगाह से जुड़े लोगों के साथ बैठक कर मामले का हल निकाला। हालांकि कुछ लोगों का कहना था कि दरगाह को अवैध कार्रवाई कर नष्ट करने की कोशिश की जा रही है।

तहसीलदार ऋषभ ठाकुर ने

बताया कि कोर्ट से स्टे खारिज होने के बाद दरगाह के बाकी हिस्से और आसपास के क्षेत्र में फैले अतिक्रमण को हटाने की कार्रवाई की गई। पहले मुस्लिम समाज के साथ हुई बैठक में उनकी सहमति से एक हिस्सा छोड़ा जा रहा था, लेकिन वे लोग कोर्ट चले गए थे।

13 नवंबर को कोर्ट ने एकपक्षीय फैसला दिया

13 नवंबर को तृतीय व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खंड रतलाम अतुल श्रीवास्तव की कोर्ट में प्रशासन की ओर से पक्ष रखने के लिए कोई नहीं पहुंचा तो कोर्ट ने एकपक्षीय फैसला दे दिया था। इसमें कोर्ट ने यथा स्थिति बनाए रखने का आदेश जारी किया था।

26 नवंबर को कोर्ट ने स्टे ऑर्डर निरस्त किया

14 नवंबर को सरकारी अधिवक्ता समरथ पाटीदार ने एकपक्षीय स्टे निरस्त करने का आवेदन दिया था। मंगलवार (26 नवंबर) को कोर्ट ने दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद 13 नवंबर को दिया स्टे आदेश निरस्त कर दिया। इसके बाद बुधवार सुबह प्रशासन और पुलिस अमला दरगाह पहुंचा और बाकी हिस्से को हटाने की कार्रवाई शुरू की।

4.12 किमी लंबा फोरलेन बनाया जा रहा

रतलाम के जावरा फाटक से सेजावता फंटे तक 4.12 किमी लंबा फोरलेन बनाया जा रहा है। इसके निर्माण में जावरा फाटक से आगे पहलवान बाबा की दरगाह का कुछ हिस्सा तो सामने की तरफ हनुमान मंदिर का हिस्सा आ रहा था। दरगाह के हिस्से को दरगाह कमेटी, शहर काजी अहमद अली और की मौजूदगी में प्रशासन की बैठक में सहमति के बाद हटाने की कार्रवाई शुरू हुई थी। दरगाह की लाइन में कुछ दुकानें भी थीं, जिन्हें प्रशासन ने हटाया था। दरगाह के एक हिस्से को हटाने के विरोध में मुस्लिम पक्ष कोर्ट चला गया। जहां से उन्हें स्टे मिल गया था।

पुलिस कार्रवाई : 510 पेटी अवैध शराब से भरा कंटेनर पकड़ा

रतलाम। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए कंटेनर से 510 पेटी अंग्रेजी शराब जब्त की है। अवैध शराब हरियाणा से महाराष्ट्र के अकोला ले जाए जा रही थी। पुलिस पूछताछ में कंटेनर का चालक संतोष पर जवाब नहीं दे पाया। जब्त की गई शराब और कंटेनर की कीमत तकरीबन एक करोड़ 22 लाख 68000 आंकी की गई है। पुलिस कार्रवाई कर रही है। पुलिस अधीक्षक अमित कुमार द्वारा जिले के सभी थाना प्रभारियों को थाना क्षेत्र में अवैध शराब के क्रय विक्रय तथा अवैध परिवहन पर कड़ी कार्रवाई करने के लिए निर्देशित किया गया है। थाना प्रभारी बिलपांक निरीक्षक अय्यूब खान के नेतृत्व में बिलपांक पुलिस द्वारा मुखबिर तंत्र सक्रिय किया गया। 27 नवंबर को विश्वसनीय मुखबिर द्वारा सूचना मिली। थाना प्रभारी श्री खान के साथ प्रधान आरक्षक ईश्वरसिंह, आरक्षक माखनसिंह, अमित यादव, हेमंत यादव और संजय सोनी की विशेष मेहनत के बल पर कार्रवाई हुई।

महू नीमच हाइवे पर संक्षिप्त वाहनों की हुई चेकिंग

महू नीमच हाइवे पर संदिग्ध वाहनों की चेकिंग की गई। टीम द्वारा संदिग्ध वाहनों की चेकिंग के दौरान ट्रक क्रमांक एचएल 07 एए 3565 को रोककर चेक करने पर कंटेनर में बड़ी मात्रा में (510 पेटी) अवैध शराब भरी थी। शराब के परिवहन से संबंधित कागजात के बारे में ट्रक चालक सुनील कुमार पिता राजपाल जाट उम्र 28 साल निवासी सरल जिला भिवानी हरियाणा पूछताछ करने पर कोई संतोषप्रद जवाब नहीं दे सका। पुलिस द्वारा अवैध शराब एवं परिवहन में प्रयुक्त कंटेनर वाहन को जब्त कर थाना बिलपांक पर प्रकरण क्रमांक 668/24 धारा 34(2) आबकारी एक्ट का दर्ज कर ट्रक चालक आरोपी को हिरासत में लिया गया है। प्रारंभिक पूछताछ में शराब हरियाणा से लेकर अकोला महाराष्ट्र ले जाने की बात सामने आई है।

एक करोड़ 22 लाख 68000 की सामग्री जब्त

510 पेटी अवैध शराब कीमती लगभग 67 लाख 68 हजार रुपए, कंटेनर वाहन कीमती 55 लाख रुपए है। शराब और कंटेनर की कुल 1,22,68,000 रुपए है।

स्टार हेल्थ एंड एलाइड इंश्योरेंस कंपनी के विरुद्ध आदेश पारित

रतलाम। जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोषण आयोग जिला रतलाम के अध्यक्ष मुकेश कुमार तिवारी एवं सदस्य श्रीमती जयमाला संघवी द्वारा बीमा कम्पनी प्रकरण में आदेश पारित करते हुए परिवादी को बीमा राशि रुपए 2,50,000/- दो लाख पचास का भुगतान 8 प्रतिशत साधारण वार्षिक ब्याज मानसिक त्रास हेतु क्षतिपूर्ति रुपए 10,000/- अदा करने के आदेश प्रदान किया उक्त राशि साठ दिवस में अदा करना होगी। परिवादी अमित सक्सेना की ओर से अभिभाषक सुनील पारिख द्वारा अनावेदक स्टार हेल्थ एंड एलाइड इंश्योरेंस कंपनी के विरुद्ध परिवाद प्रस्तुत कर बताया था कि अनावेदक ने आवेदक को कोविड रक्षक बीमा पॉलिसी के तहत बीमा किया था। आवेदक ने अपनी पत्नि श्रीमती नीरजा सक्सेना का स्वास्थ्य खराब होने पर व जांच में कोरोना पॉजिटिव पाए जाने पर सीएचल हॉस्पिटल इंदौर में भर्ती किया गया। जहां समस्त जांच की गई व कोरोना पॉजिटिव होने पर इलाज किया गया जिसकी सूचना बीमा कंपनी को दी गई। बीमा कंपनी ने बीमा दावा यह कहते हुए खारिज कर दिया की कोविड 19 का अन्य बीमारी के साथ मिश्रित इलाज किया गया। पूर्व की बीमारी की जानकारी नहीं दी अगर दी होती तो बीमा ही नहीं किया जाता व अन्य कई कारण बताते हुवे दावा निरस्त करने के कारण कोई भी सहायता पाने का आवेदक पात्र नहीं है। माननीय जिला उपभोक्ता फोरम ने कोविड गाइडलाइन के अवलोकन व प्रस्तुत दस्तावेजों पर पाया की कंपनी ने निश्चित रूप से औचित्यहीन दस्तावेजों की मांग कर एवं उसके अभाव में दावा निरस्त किया, परीवादी एडवोकेट पारिख के तर्कों से सहमत होते हुवे आयोग ने पाया कि बीमा राशि प्राप्त करने हेतु अपेक्षित शर्तों का वर्णित मापदंडों को पूरा किया है। परंतु विपक्षी बीमा कंपनी ने उपरोक्त दस्तावेजों का इस तरह से निर्वाचन किया जिससे वह परिवादी को बीमा पॉलिसी के अधीन बीमा राशि को भुगतान करने के अपने दायित्व से बच सके विपक्षी बीमा कंपनी ने परिवादी को बीमा पॉलिसी की राशि को भुगतान न करके एवं आवेदक के बीमा दावे को बिना किसी न्यायोचित उचित कारण के निरस्त कर सेवा में कमी की है जिसके परिणाम स्वरूप आवेदक उपरोक्त राशि पाने का पात्र है। आवेदकगण की ओर से अभिभाषक सुनील पारिख द्वारा पैरवी की गई।

नागदा-खाचरोद खंड में

2&25 केवी स्कॉट-कनेक्टेड ट्रांसफार्मर 132 केवी से उर्जीकृत

इस टेक्नोलॉजी को लागू करने में रतलाम मंडल भारतीय रेलवे में प्रथम

रतलाम।

भारतीय रेलवे अधोसंरचनात्मक विकास के साथ संरक्षा, सुरक्षा एवं परिवहन क्षमता में वृद्धि करने के लिए सतत प्रयासरत है।

इस हेतु भारतीय रेलवे द्वारा आधुनिक एवं कार्यसंगत टेक्नोलॉजी को आत्मप्रसात करने का कार्य किया जा रहा है जिससे हमारे रेल उपभोक्ता ओ को सुविधा मिलने के साथ ही रेलवे की परिवहन क्षमता भी उत्तरोत्तर विकास के पथ पर अग्रसर हो रहा है।

उपरोक्त जानकारी देते हुए जनसम्पर्क अधिकारी खेमराज मिणा ने बताया कि मंडल रेल प्रबंधक के सफल मार्गदर्शन एवं संबंधित विभागों के शाखाधिकारियों के कुशल निर्देशन में आधुनिक एवं

नई टेक्नोलॉजी को आत्मसात करने में पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल भी काफी अग्रसर रहा है। इसका अद्यतन उदाहरण रतलाम मंडल के ताजपुर रेलवे स्टे शन है जहां अत्याधुनिक इलेक्ट्रॉ निक इंटरलॉकिंग प्रणाली को इंस्टॉकल किया गया है। इस प्रकार की नई प्रणाली को इंस्टॉल करने वाला रतलाम मंडल भारतीय रेलवे में पहला स्टेशन बना है।

इसी क्रम में रतलाम मंडल में ओएचई (ओवर हेड इक्यूपमेंट) की क्षमता बढ़ाने के लिए 26 नवम्बर, 2024 को नागदा-खाचरौद खंड में 1×25 केवी ओएचई के स्थान पर 2×25 केवी ओएचई नागदा टीएसएस (ट्रैक्शन सब स्टेशन) 01 नं. स्कॉट कनेक्टेड ट्रांसफार्मर (60/84/100 एमवीए) को 3 फेज, 132 केवी इनकमिंग सप्लाई के साथ उर्जित किया गया है तथा शेष कार्य प्रगति पर है जिसे शीघ्र ही पूरा कर लिया जाएगा।

ऐसा करने से ओएचई की क्षमता में वृद्धि होगी जिसके कारण ढुलाई क्षमता बढ़ेगी, वोल्टेज (50 केवी) के दोगुना होने के कारण उच्च ओएचई धारा वहन क्षमता, बेहतर वोल्टेज विनियमन और ट्रांसमिशन लाइन घाटे में कमी के साथ ही 1म25 केवी से 2म25 केवी प्रणाली तक इंजनों का निर्बाध संचालन होगा । ओएचई (ओवर हेड इक्यूपिमेंट) में यह एक आधुनिक प्रणाली है जो रेलवे की परिवहन क्षमता को बढ़ाने का कार्य करेगा।

छात्रों को परीक्षाओं में सफलता के लिए कोचिंग की सुविधा होना आवश्यक - विधायक श्री डोडियार

सैलाना।

ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों को सरकारी नौकरियों में सफलता पाने के लिए प्रतिस्पर्धा परीक्षाओं के लिए कोचिंग की आवश्यक होती है इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए निःशुल्क कोचिंग सुविधा का स्थानीय स्तर पर होना आवश्यक है।

सफल जीवन के तीन उद्देश्यों अध्ययन, ज्ञान और सेवा पर अमल करेंगे तब आप अपने जीवन को सार्थक बना पाएंगे क्योंकि अध्ययन से ज्ञान बढ़ता है। ज्ञान से पद प्राप्त होता है। पद आपको इज्जत, पैसा सभी देता है और इस पद और पैसे से आप समाज की सेवा कर सकते हैं।

उक्त उद्बोधन बुधवार को क्षेत्रीय विधायक कमलेश्वर डोडियार ने शासकीय महाविद्यालय सैलाना में निःशुल्क कोचिंग क्लासेस के उद्घाटन अवसर पर दिया। उन्होंने कहा कि इन क्लासों के लिए मेरी ओर से फैकल्टी ,लाइब्रेरी के लिए पुस्तकें उपलब्ध कराई जाएगी। इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे प्रभारी प्राचार्य डॉक्टर आर पी पाटीदार ने भी विधायक के इस पवित्र यज्ञ में महाविद्यालय परिवार के सहयोग का आश्वासन दिया।

कार्यक्रम में अग्रणी महाविद्यालय के अर्थशास्त्र के प्राध्यापक डॉक्टर विनोद शर्मा ने कहा कि सफलता के लिए हमें अपने आप को पूर्ण समर्पित कर देना होगा क्योंकि हमें एक ही पद चाहिए होता है चाहे फिर कितने ही पद निकले हो । आपकी सफलता के लिए पीएससी स्टाफ से भी मोटिवेशन दिलवाने का प्रयास किया जाएगा। जनभागीदारी समिति अध्यक्ष दिनेश कुमावत आसरा ने इस कोचिंग क्लास की मदद से छात्रों के उज्वल भविष्य की कामना की। जनपद सीईओ गोवर्धन मालवीय ने अपने सफर और यहां तक पहुंचने की बात कर विद्यार्थियों को प्रेरित किया।

मॉडल स्कूल के छात्रावास अधीक्षक मनीष ने भी छात्रों को प्रेरणादाई उद्बोधन से अपना भविष्य निर्माण करने की सलाह दी। पूर्व छात्र चंदू मईड़ा ने भी विद्यार्थियों को सफलता प्राप्त करने हेतु प्रेरित किया। डॉ अशोक रावत ने भी बच्चों को अपने जीवन से प्रेरणा लेने की बात कही ।कार्यक्रम में विशेष उपस्थिति गणितज्ञ बजरंग सर की रही जिन्होंने विद्यार्थियों से समय प्रबंधन की बात की और कहा कि बिना प्रतियोगी परीक्षाओं के हम कोई स्थान प्राप्त नहीं कर सकते। बजरंग सर ने आज कोचिंग क्लास की प्रथम कक्षा भी ली । पूर्व छात्र सांवरिया निनामा भी इस अवसर पर उपस्थित थे । कार्यक्रम में सभी प्राध्यापकगण , कार्यालयीन स्टाफ और बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे । कार्यक्रम का संचालक डॉक्टर सौरभ ईलाल ने किया तथा आभार प्रो अनुभा कानड़े ने माना।

कलेक्टर ने ऑफिसर क्लब, युवराज क्लब एवं नूतन स्टेडियम का निरीक्षण किया

मंदसौर । कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग ने ऑफिसर क्लब, युवराज क्लब एवं नूतन स्टेडियम खेल मैदान का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान वहा की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। ऑफिसर क्लब की व्यवस्थाओं को सुधारने के लिए नगर पालिका एवं पीडब्ल्यूडी विभाग को आवश्यक निर्देश प्रदान किए। युवराज क्लब निरीक्षण के दौरान बैडमिंटन कोर्ट, टेनिस कोर्ट, टेबल टेनिस कोर्ट, इंडोर आउटडोर गेम कोर्ट को देखा। क्लब के लिए बेहतर प्लान क्या किया जा सकता है, इस संबंध में सदस्यों को कहा कि, अच्छे अच्छे सुझाव प्रदान करें। बेहतर से बेहतर प्लान बनाएं। क्लब से बच्चे अधिक से अधिक जुड़े इसके लिए बच्चों को जागरुक करें।खेल गतिविधियों के लिए प्रेरित करें। समय-समय पर खेल गतिविधियां अच्छे से आयोजित हो, इसके लिए कोच भी नियुक्त करें। नूतन स्टेडियम निरीक्षण के दौरान निर्देश दिए कि एसोसिएशन की बैठक आयोजित करें।

मंदसौर सीए ब्रांच का द्वितीय वेबीनार सम्पन्न

मन्दसौर। सीए ब्रांच द्वारा इथिकल स्टेण्डर्ड बोर्ड नई दिल्ली के तत्वावधान में एक वेबीनार का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य वक्ता सीए अंकित माहेश्वरी ने सरकारी अंकेक्षण, सीएण्ड एजी ऑडिट, कम्पनी ऑडिट की प्रोसेस, एन.ओ.सी,. पूर्व अंकेक्षक से कम्यूनिकेशन आदि के बारे में अपने विचार रखे। इस वेबीनार में 60 सीए सदस्यों ने भाग लिया।

प्रारंभ में स्वागत भाषण मंदसौर शाखा चेयरमेन सीए दिनेश जैन ने दिया। सीए वीरेन्द्र जैन ने बताया कि प्रोफेशनल अवसर पर शीघ्र ही एक और वेबीनार आयोजित किया जा रहा है। अतिथि परिचय सीए नयन जैन ने दिया। प्रश्न उत्तर सेशन सीए विकास भण्डारी ने लिया। इस वेबीनार को सीए राजेश मण्डवारिया ने भी संबोधित किया। आभार सीए अर्पित नागदा ने व्यक्त किया।

बर्फीली हवाओं से मंदसौर में ठिठुरन बढ़ी

मंदसौर । जम्मू-कश्मीर, लद्दाख और हिमाचल प्रदेश में हो रही बर्फबारी और वहां से आ रही सर्द हवाओं से ठिठुरन बढ़ गई है। मंदसौर में अधिकतम तापमान 28.5 डिग्री और न्यूनतम तापमान 12.2 डिग्री के आसपास बना हुआ है। मौसम विभाग के अनुसार, आने वाले दिनों में तापमान में गिरावट का दौर जारी रहेगा और दिसंबर की शुरुआत में तापमान 10 डिग्री सेल्सियस के नीचे पहुंच सकता है। मौसम वैज्ञानिक ने बताया कि नवंबर के आखिरी दिनों में भी ठंड का असर बना रहेगा। वेस्टर्न डिस्टरबेंस का असर समाप्त होने के बाद ग्वालियर-चंबल क्षेत्र में बारिश की संभावना नहीं है। बर्फीली हवाओं से दिन में भी ठिठुरन बढ़ गई है। जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और लद्दाख में बर्फबारी हो रही है, जिसके कारण सर्द हवाओं की रफ्तार में भी इजाफा हुआ है। ये हवाएं पश्चिम-उत्तर भारत के ऊपर 12.6 किमी की ऊंचाई पर 260 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से चल रही हैं। इस वजह से प्रदेश में ठंडी हवाओं का असर ज्यादा है और दिन में भी ठिठुरन बढ़ गई है।

मेघवाल समाज संगठन द्वारा आर्थिक सहायता राशि भेंट की

मंदसौर । संगठन सचिव राधेश्याम सिनम ने बताया कि, मेघवाल समाज विकास परिषद जिला संगठन के नेतृत्व में गठित आर्थिक सहायता कोष के माध्यम से, बंसीलाल मेघवाल निवासी बरडिया उचा तहसील शामगढ को जिला अध्यक्ष राधेश्याम गौरवी की विशेष उपस्थिति में, तूफान बामनिया तहसील अध्यक्ष द्वारा गंभीर बीमारी से पीड़ित व्यक्ति को उनके निवास पर जाकर 16800 नकद की आर्थिक सहायता राशि भेंट की गई।

भामाशाह पं. योगेन्द्र महंत राष्ट्रीय गौरव सम्मान 8 दिसम्बर को

मन्दसौर। श्री वैष्णव बैरागी कोर कमेटी मंदसौर एवं वैष्णव सेवा संघ मंदसौर द्वारा संयुक्त रूप से दिनांक 8 दिसम्बर को कुशाभाऊ ठाकरे ऑडिटोरियम में दोप. 12.10 बजे से सम्मान समारोह एवं श्री वैष्णव रामानंदाचार्य कैलेण्डर विमोचन का कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। जिसमें घाटोल बांसवाड़ा के वरिष्ठ समाजसेवी श्री नरेन्द्र वैष्णव (भाजपा जिला महामंत्री) को वर्ष 2024 का भामाशाह पं. योगेन्द्र महंत राष्ट्रीय गौरव सम्मान से अलंकृत किया जाएगा। इस आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में प्रसिद्ध उद्योगपति श्री सुनील रामावत (शैफाली मिल्स सूरत), श्री मोहन वैष्णव (मुम्बई), सेवा संघ म.प्र. के प्रदेश अध्यक्ष श्री पी.एल. बैरागी, पं. योगेन्द्र महंत (पूर्व राज्यमंत्री दर्जा), महेशचन्द्र (जयपुर), उद्योगपति हरिओम वैष्णव (मुरैना), राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती विद्यादेवी वैष्णव, म.प्र. प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती निशा वैष्णव, जनपद शाजापुर के पूर्व अध्यक्ष नीरज वैष्णव, कथावाचिका सुश्री जयमाला दीदी नीमच, कोर कमेटी मंदसौर अध्यक्ष राधेश्याम वैष्णव आदि उपस्थित रहेंगे।

वॉलीबॉल संभाग में शुभम ने जीता गोल्ड मेडल

दलौदा । मंदसौर मे आयोजित संभाग स्तरीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता मे गोल्ड मेडल जीता । महाविधालय की प्रभारी प्राचार्य डा माला हकवडिया ने जानकारी देते हुए बताया की उच्च शिक्षा विभाग की संभाग स्तरीय पुरुष वॉलीबॉल प्रतियोगिता मंदसौर के शासकीय महाविधालय मे आयोजित हुई जिसमे संभाग की सभी जिले की टीमो ने भाग लिया वही शुभम् ने मंदसौर जिले का प्रतिनिधित्व किया और फाइनल मुकाबले मे शाजापुर और मंदसौर के बीच हुआ जिसमे महाविधालय के शुभम धाकड ने प्रथम स्थान रही टीम के साथ गोल्ड मेडल जीता ।

शा. कन्या विद्यालय में हम होंगे कामयाब पखवाड़ा एवं बाल विवाह मुक्त भारत का आयोजन संपन्न

भानपुरा (मन्दसौर) । शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भानपुरा में महिला बाल विकास विभाग एवं पुलिस विभाग के संयुक्त तत्वाधान में 25 नवंबर से 10 दिसंबर तक आयोजित होने वाले हम होंगे कामयाब पखवाड़ा अंतर्गत कार्यक्रम में बुधवार 27 नवंबर एवं बाल विवाह मुक्त भारत के शुभारंभ के अवसर पर बाल विवाह मुक्त प्रदेश बनाए जाने हेतु बाल विवाह निषेध अधिनियम और कानूनों परिणामों पर जानकारी दी गई। और बाल विवाह मुक्त भारत हेतु प्रतिज्ञा ली गई। इस अवसर पर प्रार्थना सभा के दौरान महिला बाल विकास विभाग प्रभारी परियोजना अधिकारी भानपुरा मीता औझा, ब्लॉक समन्वयक जयसिंह लौधा, महिला पुलिस हेल्प डेस्क बतुल चावड़ा, हेड कांस्टेबल सोनू ठाकुर एवं दिनेश कुमार मौजूद रहे। उक्त कार्यक्रम विद्यालय प्राचार्य जी एम शेख के मुख्य अतिथि में संपन्न हुआ। छात्राओं को बताया गया कि कम उम्र में विवाह होने पर बालिका की शिक्षा और स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव पड़ता है तथा मातृ मृत्यु दर में भी वृद्धि होती है। छात्राओं को बाल विवाह एवं चाइल्ड हेल्पलाइन तथा वूमेन हेल्पलाइन 1091 के बारे में जानकारी दी गई।

श्री पशुपतिनाथ महादेव मेले के मंच पर हुआ मप्र राज्य स्तरीय बॉडी बिल्डिंग स्पर्धा का आयोजन

प्रदेश के 300 बॉडी बिल्डर्स एवं आफिसर्स ने की सहभागिता, भोपाल के हाशिम बने चौंपियन ऑफ चौंपियन

मन्दसौर । श्री पशुपतिनाथ महादेव के 62 वें मेले के पावन अवसर पर कार्तिक पूर्णिमा मेले के मंच पर संगीत की धुन पर मंदसौर नगरपालिका परिषद एवं दशपुर जिला बॉडी बिल्डिंग संघ के तत्वाधान में राज्य स्तरीय शरीर सौष्ठव प्रतियोगिता बाडी बिल्डिंग का बेहतरीन आयोजन संपन्न हुआ । 300 से अधिक खिलाडियों ने संगीत की धुन पर देर रात्रि 1.00 बजे तक प्रदर्शन किया ।

राज्य शरीर सौष्ठव स्पर्धा का शुभारंभ सम्मानित अतिथिगण भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता व पूर्व विधायक श्री यशपालसिंह सिसौदिया, नगरपालिका परिषद की अध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर , राज्य शरीर सौष्ठव संस्था के अध्यक्ष श्री प्रेमसिंह यादव उज्जैन, प्रदेश अध्यक्ष एवं 17 बार मि.मध्यप्रदेश रहे श्री जितेन्द्रसिंह कुशवाह, महासचिव श्री अतीनजी तिवारी, प्रदेश कोषाध्यक्ष श्री शैलेन्द्र व्यास, इंजीनियर श्री गजेंद्र मेहता उज्जैन, दशपुर जिला बॉडी बिल्डिंग संघ के अध्यक्ष उद्योगपति श्री विशाल गोयल, संरक्षक दैनिक मालव अलंकरण के प्रधान संपादक एवं वरिष्ठ पत्रकार श्री प्रकाश सिसौदिया, मेला सभापति श्रीमती भावना जयप्रकाश पमनानी सहित मेला समिति सदस्य नपा पार्षद श्रीमती दिव्या अनूप माहेश्वरी, श्री ईश्वर सिंह चौहान, श्रीमती रेखा राजेश सोनी ऐरावाला , दीपक गाजवा, श्रीमती माया नीलमचंद भावसार, श्रीमती संगीता शैलेन्द्र गोस्वामी, श्रीमती सुनीता नंदलाल गुजरिया, भाजपा नेता श्री राजेशजी गुर्जर, वरिष्ठ भाजपा नेता श्री संजय गोयल, श्री अनूप माहेश्वरी ने किया । नगरपालिका परिषद अध्यक्ष श्रीमति रमादेवी बंशीलाल गुर्जर ने खिलाडियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रदेश भर के 45 जिलों से मंदसौर श्री पशुपतिनाथ महादेव के कार्तिक मेले के मंच पर बाडी बिल्डींग के खिलाडिड़ों का आना गौरव की बात है । मंदसौर विधायक श्री विपिनजी जैन द्वारा प्रदेश भर से आए ऑफिसर्स और प्रमुख खिलाडियों को खेल मित्र अलंकरण प्रदान कर सम्मानित किया । इस अवसर पर सम्मानित अतिथि मंदसौर विधायक श्री विपिन जैन ने कहा कि दशपुर बॉडी बिल्डिंग संघ विगत 22 वर्षो से दशपुर की धरा पर शरीर सौष्ठव प्रतियोगिता का आयोजन कर रहा है। दशपुर जिला बॉडी बिल्डिंग संघ के अध्यक्ष श्री विशाल गोयल एवं सचिव श्री शैलेन्द्र सिसोदिया ने बताया कि राज्य स्तरीय बॉडी बिल्डिंग चौम्पियनशीप में सम्राट श्री यशोधर्मन ट्रॉफी के लिए प्रदेश भर की 45 से अधिक जिला इकाइयों के खिलाड़ी एवं पदाधिकारी मंदसौर आए । आपने बताया कि सम्राट श्री यशोधर्मन ट्रॉफी पर भोपाल के बॉडी बिल्डर हासिम अली ने कब्जा जमाया जिन्हें रुपये 21000/- रुपये का नकद पुरस्कार व आकर्षक ट्रॉफी प्रदान की गई। वही बेस्ट पोजर में देवास के प्रदीप ठाकुर , बेस्ट मस्कुलर में इंदौर के नरेंद्र गुर्जर एवं बेस्ट इम्प्रुव्हड में भोपाल के फैज अली ने कब्जा जमाया। इन्हें क्रमश- रुपये 10-10 हजार रुपए की राशि पुरस्कार स्वरूप, प्रमाण पत्र व आकर्षक ट्रॉफी प्रदान की गई । 10 वजन वर्ग में प्रथम, द्वितीय, तृतीय,चतुर्थ एवं पंचम को नकद पुरस्कार दिया गया- अध्यक्ष श्री विशाल गोयल एवं सचिव श्री शैलेंद्र सिसोदिया, उपाध्यक्ष दय श्री वेदप्रकाश मिश्रा एवं श्री लोकेश भार्गव ने बताया कि 10 वजन वर्ग में खिलाडियों को प्रथम 3000 रूपये, द्वितीय 2500 रूपये, तृतीय 2000 रूपये , चतुर्थ 1500 रूपये एवं पंचम 1000 रूपये नगद राशि, आकर्षक ट्रॉफी और प्रमाण पत्र प्रदान कर अतिथियों द्वारा सम्मानित किया गया ।

इनका आतिथ्य प्राप्त हुआ

मल्हारगड़ एसडीएम श्री रविंद्र परमार, वरिष्ठ भाजपा नेता श्री अनिल कियावत , वरिष्ठ पत्रकार श्री महावीर अग्रवाल, प्रेस क्लब के संरक्षक श्री नरेंद्र अग्रवाल, संरक्षक व पूर्व अध्यक्ष श्री ब्रजेश जोशी, प्रेस क्लब के अध्यक्ष श्री पुष्पराज सिंह राणा, दशपुर प्रेस क्लब के अध्यक्ष श्री नेमीचंद राठौर, वरिष्ठ पत्रकार श्री अब्दुल वाहिद रईस,श्री गायत्री प्रसाद शर्मा, श्री अजय बाड़ोलिया, श्री हेमंत शर्मा, हिंदू जागरण मंच के जिला अध्यक्ष श्री भगवानसिंह चौहान,भारतीय रेडक्रॉस सोसाइटी के संचालक एवं वरिष्ठ भाजपा नेता श्री राजेश नामदेव, विहिप जिला मंत्री श्री हेमंत बूलचंदानी, तिरंगा अभियान के संयोजक एवं भाजपा नेता श्री गौरव अग्रवाल, प्रदेश सहसंयोजक एवं भाजपा नेता श्री महेश जुनवाल, सीतामऊ जनपद सदस्य अरविंद सिंह खेजडिया ,वरिष्ठ कांग्रेस नेता श्री कमलेश सोनी लाला, समाजसेवी श्री प्रवीण गुप्ता, डॉ. श्री गिरीश शर्मा, श्री राकेश गवरिया, भारतीय रेडक्रॉस सोसाइटी के संचालक श्री चंद्रशेखर निगम, श्री प्रकाश पारवानी, प्रदेश उपाध्यक्ष श्री बाबूलाल डागा द्वारा प्रदेश भर से आए सभी सौष्ठव खिलाड़ियों को सम्मानित कर प्रमाण पत्र एवं ट्रॉफी प्रदान की ।

भानपुरा की सब्जी मंडी में अव्यवस्थाओं का बोलबाला

लोकार्पण के 4 सालों बाद भी सब्जी मंडी की दुकानें नही हुई दुकानदारों को आवंटित

भानपुरा (मन्दसौर) । कभी सडक़ पर लगने वाली नगर भानपुरा की सब्जी मंडी नगर परिषद भानपुरा द्वारा स्थापित डाक बंगले में 85.26 लाख रुपए की लागत से निर्मित होकर 21 दिसंबर 2020 को लोकार्पण की गई।

तत्कालीन तहसीलदार राकेश यादव जो नगर परिषद के प्रभारी मुख्य नगर पालिका अधिकारी रहे तब उन्होंने सब्जी मंडी को प्रेम पूर्वक व लट्ठ के दम पर सब्जी मंडी प्रांगण में व्यवस्थित लगवाई परंतु इसके बाद नगर भर में सब्जी मंडी सहित नगर की मुख्य सडक़ों व नगर के गली मोहल्लों व चौराहे पर हर कही हाथ ठेले लगना शुरु हुए जो यातायात व्यवस्था में बाधक होकर बदस्तूर जारी है। 4 सालों बाद भी सब्जी मंडी की दुकानों का आवंटन नहीं हुआ है सब्जी विक्रेता अपनी मर्जी के मुताबिक अपनी अपनी दुकानें लगाकर बैठे हैं, सब्जी मंडी अनेक अव्यवस्थाओं का शिकार है, आज तक उसमें जन सुविधा के नाम पर कोई सुविधा उपलब्ध नहीं है, पेयजल पानी की टंकी में पानी नहीं भरा जाता नल टूटे हुए हैं, दुकानदारों के लिए आज तक लाइट की व्यवस्था नहीं है,

ड़बिना पुताई के लोकार्पण हुआ वहां तक तो ठीक है आज 4 वर्ष बाद भी उसे पर अभी तक कोई रंगाई पुताई नहीं हुई है, निराश्रित पशुओं को सब्जी विक्रेता ओर आमजन परेशान हैं। नगर परिषद ने एक व्यक्ति की नियुक्ति कर रखी है, किंतु उसके बावजूद भी निराश्रित पशुओं की सब्जी मंडी में भरमार रहती है साथ ही भानपुरा नगर में जगह-जगह सब्जी के ठेले लगे हें सब्जी मण्डी जाने वाले मार्ग पर ठेले लगे हैं, आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

न्यायालय परिसर में लगाया बहु चिकित्सा जांच एवं निदान शिविर

मन्दसौर। लायंस क्लब मंदसौर गोल्ड द्वारा इस सत्र में सेवा और संस्कार की भावनाओं के साथ सेवा सप्ताह के अंतर्गत बहु चिकित्सा स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में आज निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर जिला न्यायालय परिसर में लगाया गया। शिविर का शुभारंभ मुख्य अतिथि प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री कपिल मेहता, विशिष्ट अतिथि जिला आयकर अधिकारी श्री संजीव मलिक, जिला अभिभाषक संघ के अध्यक्ष रघुवीर सिंह पवार ने मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर अतिथि श्री कपिल मेहता एवं श्री संजीव मलिक ने क्लब के प्रयासों की सराहना की और कहा ऐसे सेवा प्रकल्प निरंतर आयोजित होते रहना चाहिए।आज आयोजित शिविर में चिकित्सा टीमो द्वारा निशुल्क सेवा दी जिसमें न्यायाधीश, अभिभाषक गण आदि द्वारा लाभ लिया गया । नेत्र रोग हेतु लाभमुनि नेत्र चिकित्सालय एवं रिसर्च सेंटर की टीम, दंत रोग विशेषज्ञ डॉ अनिल धाकड़ ने अपनी सेवाएं दी। विशेषज्ञ डॉ के सहयोग से लगाये गए इस शिविर में लाभार्थियों ने अपने नेत्र,दंत, शुगर, रक्तचाप सहित अन्य बीमारियों की जांच करवाई । शिविर के दौरान लायंस क्लब के पूर्व अध्यक्ष राजकुमार पारिख, सचिव लायन मनोज सेवानी, लायन आशीष गुप्ता , लायन सीए रितेश पारिख आदि उपस्थित थे। आभार क्लब अध्यक्ष सीए सिद्धार्थ अग्रवाल ने माना। संचालन संस्थापक अध्यक्ष सुरेश सोमानी ने किया।

करोड़ों की सुवासरा-शामगढ-गरोठ सूक्ष्म सिंचाई योजना : रोज फुट रहे पाइप, किसान परेशान

मंदसौर ।मंदसौर जिले में 1660 करोड़ से बनी सुवासरा-शामगढ-गरोठ सूक्ष्म सिंचाई योजना को लेकर किसान परेशान है। लोकार्पण के दूसरे दिन से ही जगह-जगह से पाइप लाइन लीकेज होने से किसानों की फसलों में नुकसान हो रहा हैं।

लोकार्पण के पहले दिन ही शामगढ़ कृषि मंडी में पाइप लाइन फूटने से प्याज की उपज पानी में बह गई थी। इसके अगले दिन गरोठ के खजूरी दौड़ा में पाइप लाइन फूटने से खेतों में पानी भर गया। इससे किसानों की फसलें खराब हो गई थी। किसानों ने बताया कि लोकार्पण के बाद से ही सिंचाई योजना के पाइप फूटने की खबरें हर दिन सामने आ रही हैं। सिंचाई योजना के हर दिन पाइप फूटने की खबरों के बाद कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने बुधवार को एक्स पर लिखा- क्या 1660 करोड़ की सिंचाई परियोजना फेल हो गई है? यह ऐसा सवाल है, जिसका जवाब अब भाजपा सरकार को देना ही होगा?

1660 करोड़ रूपए की शामगढ़-सुवासरा-गरोठ सुक्ष्म परियोजना का तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने 2018 में भूमिपूजन किया था। पिछले माह 11 नवंबर को इसको लोकार्पित किया गया। इस परियोजना से 226 गांवों की 85 हजार 117 हेक्टेयर भूमि सिंचित की जाना है। इस परियोजना के अंतर्गत नवंबर से लेकर 15 मार्च तक किसानों को सिंचाई के लिए पानी मिलेगा। इसके लिए प्रति हेक्टेयर किसानों को केवल 1250 रुपए चार माह के देना होंगे। इस योजना से 62 हजार किसानों को सीधा फायदा होने का दावा किया गया है।

स्थानीय किसानों ने बताया कि सूक्ष्म परियोजना में कई जगह लीकेज हो रहे है। इसमें गरोठ, शामगढ़ क्षेत्र के गांवों में अधिक नुकसान हो रहा है। जिसके कारण किसान के खेत पर पानी नहीं पहुंच रहा है। इसके साथ ही जहां लीकेज हो रहा है, वहां पानी का अधिक भराव रास्तों में हो रहा है। कई जगह खेतों में पानी भर गया है, जिसके कारण किसान को नुकसान भी हो रहा है और आने-जाने वालों को परेशानी हो रही है। वहीं अधिकारियों ने बताया कि लीकेज की सूचना मिलने पर उसे दुरुस्त करवाया जा रहा है।

शौर्य गेरा का वॉलीबॉल में नेशनल के लिए चयन

शामगढ़ (मन्दसौर) । सेंड अल्फोंसा कान्वेंट स्कूल के छात्र शौर्य पिता टिकेश गेरा का 14 वर्ष बालक वॉलीबॉल में नेशनल के लिए चयन हुआ हे खेल शिक्षक नारायण सिंह राठौड़ ने बताया कि दिनांक 18 नवंबर 2024 से 22 नवंबर 2024 तक सिंगरौली में आयोजित राज्य स्तरीय वॉलीबॉल मिनी वर्ग प्रतियोगिता में श्रेष्ठ प्रदर्शन के आधार पर शौर्य का नेशनल के लिए चयन हुआ है जो की प्रतियोगिता से पहले प्री नेशनल कैंप दिनांक 3 दिसंबर 2024 से 7 दिसंबर 2024 तक मुरैना में आयोजित होगा वह नेशनल प्रतियोगिता दिनांक 10 दिसंबर 2024 से 14 दिसंबर 2024 तक वाराणसी उत्तर प्रदेश में आयोजित होगी । शौर्य की एक साल की मेहनत से यह उपलब्धि आज प्राप्त हुई ।

कार्यालय कलेक्टर एवं सक्षम प्राधिकारी जिला मंदसौर (म.प्र.)

क्रमांक/कॉलोनी / 2024/168 मंदसौर, दिनांक 21/11/2023

:: सार्वजनिक सूचना ::

(म.प्र. नगरपालिका (कॉलोनी विकास) नियम 2021 के नियम 23 (6), 23 (7) व 24 (2) के अंतर्गत)

नगर परिषद सीतामउ द्वारा नगरीय क्षेत्र की प्रथम चरण में शेष रही 02 अनाधिकृत कॉलोनियों में से 01 अनाधिकृत कॉलोनी के अभिन्यास को अन्तिम रूप दिया जाकर नागरिक अधोसंरचना एवं भवन अनुज्ञा प्रदान करने हेतु नियम 23(6), 23(7) व 24 (2) के अधीन इन अनाधिकृत कालोनी में विकास शुल्क का निर्धारण निम्नानुसार किया गया हैं-

क्रं.	वार्ड क्रं.	अनाधिकृत कॉलोनी का नाम/स्थान क्रमांक	भूमि का सर्वे	निर्धारित विकास शुल्क वर्ग प्रति वर्ग मीटर (भूखण्ड के क्षेत्रफल का)	निर्धारित विकास शुल्क प्रति वर्ग फिट (भूखण्ड के क्षेत्रफल का)
1	01	श्याम विहार क्रिश्चन बंगले के पास	330	916.95/-	85.18

उपरोक्त विकास शुल्क इस सार्वजनिक सूचना के दिनांक से 03 माह की अवधि में जमा कराया जाना अनिवार्य हैं। विकास शुल्क जमा होने के उपरांत ही भवन अनुज्ञा प्रदाय करने की कार्यवाही की जावेगी। अन्यथा की स्थिति में भवन/भूखण्ड स्वामी स्वयं उत्तरदायी होंगे।

कलेक्टर एवं सक्षम प्राधिकारी
जिला मंदसौर (म.प्र.)

बी-टाउन डीवाज़ जिन्होंने बॉडीकॉन ड्रेस ट्रेंड में महारत हासिल की

बॉलीवुड अभिनेत्रियाँ हमेशा अपने शानदार आउटफिट्स के साथ प्रमुख फैशन लक्ष्य निर्धारित करती रहती हैं, और इस सीज़न में, बॉडीकॉन ड्रेस का चलन सुर्खियाँ बटोर रही है। कई अभिनेत्रियों ने इस शैली को अपनाया है और इसे एक फैशन स्टेटमेंट में बदल दिया है।

दीपिका पादुकोन

स्लीक काली फुल-लेंथ बॉडीकॉन ड्रेस दीपिका की सुंदरता और सुंदरता का आदर्श प्रदर्शन है

करीना कपूर

नरगिस इस भूरे रंग की बॉडीकॉन ड्रेस में शानदार परिचय देती हैं, जो हमें सही सौंदर्य प्रदान करती है। वार्म ब्राउन रंग ने पूरे लुक में सोफेस्टिकेशन का स्पर्श जोड़ दिया।

कृति सेनन

कृति इस धारीदार काले और सफेद

खान

ऑफ-शोल्डर चमकीला सिल्वर गाउन एक बॉडीकॉन ग्लैम मास्टरपीस है जो हमें मंत्रमुग्ध कर देता है!

नरगिस फाखरी

बॉडीकॉन ड्रेस में मंत्रमुग्ध कर देने वाली सुंदरता बिखेर रही हैं।

अनन्या पांडे

अनन्या ने सरल लेकिन स्टाइलिश ग्रे बॉडीकॉन ड्रेस पहनी है, जो किसी भी अवसर के लिए एक आरामदायक और आकर्षक विकल्प है।

जान्हवी कपूर

जान्हवी इस वन-शोल्डर डिज़ाइन वाली गोल्ड-प्रिंटेड शिमर बॉडीकॉन ड्रेस में बेहद खूबसूरत लग रही थीं, जिसमें वह बिल्कुल परफेक्ट लग रही थीं।

तमन्ना ने पारंपरिक पहनावे को और भी आकर्षक बना दिया

तमन्ना भाटिया ने अपने नवीनतम लुक में पारंपरिकता और हाई-एंड फैशन को बेहतरीन तरीके से मिलाया, और उनके जूते ने सचमुच सबका ध्यान खींचा। पैन-इंडिया स्टार ने अबू जानी और संदीप खोसला द्वारा डिजाइन किए गए अपने एथेरियल सफेद और गोल्ड अनारकली को खूबसूरत क्रिश्चियन लुबोटिन स्टिलेटो हील्स के साथ जोड़ा। स्वारोवस्की क्रिस्टल के चमकदार पैनल से सजी ये अति सुंदर गुलाबी ब्रोकेड और गोल्ड हील्स, उनके पारंपरिक पहनावे में एक लग्जरी टच जोड़ा है। अभिनेत्री ने अपनी सोशल मीडिया पर कुछ शानदार तस्वीरें अपलोड कीं, जिसमें वह बेहद एलिगेंट लग रही थीं। उनकी अनारकली की चमक और लुबोटिन की शानदार एम्बेलिशमेंट का संयोजन एक बेहतरीन मिश्रण था, जिसमें गरिमा और ग्लैम का अद्भुत मेल बनाया।

शर्वरी का एथलीजर स्टाइल

शर्वरी ने सोशल मीडिया पर अपने कठोर वर्कआउट सेशन्स और फिट बॉडी को फ्लॉन्ट करती नजर आती हैं। उनके एथलीजर फैशन ने इंटरनेट पर धमाल मचा दिया है, जिसमें आराम और स्टाइल का बेहतरीन तालमेल देखने को मिलता है। ताजगी और यंग फैशन के लिए मशहूर शर्वरी के आउटफिट्स में स्लीक सिल्हूट्स, बोल्ड रंग और ट्रेंडी कट्स देखने को मिलते हैं। शर्वरी ने यह साबित किया है कि एक्टिव रहने का मतलब फैशनेबल रहना भी है। चाहे वे जिम में हों, बीच पर हों या पेडल खेल रही हों, शर्वरी दिखाती हैं कि एथलीजर सिर्फ एक ट्रेंड नहीं बल्कि एक लाइफस्टाइल स्टेटमेंट है।बारबेल रो वर्कआउट से पंप अप करती हुई शर्वरी अपने वर्कआउट की तीव्रता को एक स्पोर्टी आउटफिट में पेश करती हैं जो फंक्शनल और ट्रेंडी दोनों है।

शैतानी रस्में में रेयांश वीर चड्ढा की एंट्री

शो शैतानी रस्में में अभिनेता रेयांश वीर चड्ढा की एंट्री दर्शकों को उत्साहित करने वाली है! अपनी दमदार स्क्रीन प्रेजेंस के लिए मशहूर रेयांश अब इस रहस्यमयी दुनिया का हिस्सा बनने वाले हैं। उन्होंने इस शो से जुड़ने के अपने अनुभव और अपने यूनीक किरदार के प्रति अपने उत्साह को साझा करते हुए कई रोचक बातें बताई रेयांश ने कहा, ÷मैं इस शो का हिस्सा बनकर बेहद खुश हूं, क्योंकि यह मेरे पिछले सभी प्रोजेक्ट्स से बिल्कुल अलग है। एक अभिनेता के तौर पर फैंटेसी थ्रिलर ड्रामा की दुनिया में कदम रखना एक अद्भुत अनुभव है।

श्रीलीला ने 'किसिक' गाने से मचाई हलचल

मच अवेटेड फिल्म पुष्पा 2÷ द रूल रिलीज डेट के करीब आते ही एक्साइटमेंट के लेवल को यह और भी बढ़ाती जा रही है। पटना में एक ग्रैंड ट्रेलर लॉन्च इवेंट में मेकर्स ने एक धमाकेदार ट्रेलर रिलीज किया, जिसने फिल्म देखने को लेकर पूरे देश में मौजूद दर्शकों के बीच हलचल पैदा कर दी है।दर्शकों के जोश और बेसब्री के बीच इस साल की सबसे बड़ी फिल्म का मच अवेटेड गाना किसिक, आखिरकार रिलीज़ हो गया है। नेशनल अवॉर्ड विनर अल्लू अर्जुन और श्रीलीला की जोड़ी ने अपनी दमदार परफॉर्मेंस से स्टेज पर तहलका मचा दिया है।आखिरकार, इंतज़ार खत्म हुआ! पुष्पा 2÷ द रूल का किसिक गाना रिलीज़ हो गया है, और यह उम्मीद से भी बेहतर है। कहना होगा की इस जबरदस्त गाने में श्रीलीला ने अपने स्टनिंग चार्म, बोल्ड एनर्जी और खूबसूरत लेकिन दमदार डांस मूव्स से सबको इंप्रेस किया है।

टॉप 5 बॉलीवुड बॉक्सिंग फिल्म

मुक्काबाज़ - विनीत कुमार सिंह ने श्रावण कुमार का किरदार निभाया है, जो एक दृढ़ निश्चयी बॉक्सिंग खिलाड़ी है। यह कहानी प्रेम, धैर्य और सामाजिक अन्याय जैसे विषयों को दर्शाती है, जहां श्रावण अपने सपनों को पूरा करने और अपने प्यार को पाने के लिए रिंग के अंदर और बाहर दोनों जगह लड़ता है।

अपने - धर्मेंद्र ने बलदेव सिंह का किरदार निभाया है, जो एक

पूर्व बॉक्सिंग चैंपियन हैं। जो अपने बेटों, सन्नी देओल (अंगद) और बॉबी देओल (कारण) के जरिए अपनी खोई हुई गौरव को फिर से हासिल करने की कोशिश करता है। यह एक पारिवारिक बंधनों और स्वाभिमान की भावुक कहानी है।

तूफ़ान - अजीज अली के रूप में फरहान अख्तर ने एक स्ट्रीट फाइटर के रूप में एक शक्तिशाली प्रदर्शन किया है जो व्यक्तिगत और सामाजिक चुनौतियों पर काबू पाते हुए एक अनुशासित बॉक्सिंग चैंपियन बनता है।

गुलाम - आमिर खान सिद्धार्थ उर्फ सिद्धू की भूमिका निभाते हैं, जो एक शौकिया बॉक्सिंग खिलाड़ी से स्थानीय गुंडा बनता है, लेकिन अपनी अंतरात्मा को जागृत करता है और एक शक्तिशाली अपराधी सरगना से मुकाबला करता है।

दो लफ्जों की कहानी - रणदीप हुडा एक पूर्व मुक्केबाज सूरज की भूमिका निभाते हैं, जिसे एक अंधी महिला जेनी (काजल अग्रवाल) से प्यार हो जाता है। जैसे ही सूरज अपने परेशान अतीत का सामना करता है, उसे जेनी के साथ अपना भविष्य सुरक्षित करने के लिए एक अंतिम मुक्केबाजी मैच का सामना करना पड़ता है।

अमिताभ ने भावनात्मक पलों को साझा किया

इस सप्ताह कौन बनेगा करोड़पति 16 में, प्रतियोगी वीरेंद्र शर्मा, जो जयपुर के एक एचआर पेशेवर हैं, हॉटसीट पर पहुंचे। जब मिस्टर बच्चन ने उनसे पूछा, हमारे बारे में आपका क्या ख्याल है? क्या मुझे अपनी सीवी तैयार करनी चाहिए?, वीरेंद्र ने मज़ाकिया अंदाज़ में जवाब दिया, आपका सीवी इतना लंबा बनेगा, उसमें कोई कमी नहीं होगी। अमिताभ बच्चन ने इस अभिमान फिल्म के पीछे की कहानी को याद करते हुए बताया, वह संगीत वाकई अच्छा था, और हमें ऋषिकेश मुखर्जी के साथ काम करने का मौका मिला था। उस समय मेरी जया से शादी नहीं हुई थी, और कहानी खूबसूरत थी, जैसा कि संगीत था। कभी-कभी, म्यूज़िक डायरेक्टर और मैं साथ बैठते थे, गाने सुनते थे, और स्थिति के अनुसार, नई रचनाएं बनाते थे।

गोल्डन टेंपल पहुंचे रणवीर सिंह

रणवीर सिंह और प्रशंसित फिल्म निर्माता आदित्य धर अपनी आगामी बहुप्रतीक्षित फिल्म के अगले शेड्यूल को शुरू करने से पहले अमृतसर के गोल्डन टेंपल पहुंचे। गुरुद्वारा की यात्रा,उन दोनों की ओर से शहर की पवित्रता और इसकी समृद्ध विरासत को श्रद्धांजलि अर्पित का मानो एक हार्दिक संकेत है। पीढ़ियों से, अमृतसर लोगों के लिए आध्यात्मिक शक्ति का प्रतीक रहा है और अभिनेता-निर्देशक की जोड़ी फिल्म का अगला शेड्यूल शुरू करने से पहले मंदिर जाना चाहते थे। टीम ने पहले बैंकॉक में एक विस्तृत शेड्यूल की शूटिंग पूरी कर ली है और अब यहां से उनका दूसरा शेड्यूल शुरू होगा।

सिद्धू पर क्यों बरसी रोजलिन

रोजलिन खान नवजोत सिंह सिद्धू और उनकी पत्नी के कैंसर के इलाज के कारण के हालिया दावों पर अपना विचार साझा करने के लिए खुलकर सामने आई हैं। । इस तथ्य को देखते हुए कि उसने खुद देखा है कि कैंसर का चरण 4 किस तरह का दिखता है, वह इस तथ्य के बारे में निश्चित है कि हल्दी और नीम के साथ कैंसर को वास्तव में कभी भी उलट नहीं किया जा सकता है, इसके विपरीत सिद्धू द्वारा अपनी पत्नी के इलाज के बारे में किए गए सनसनीखेज दावे। टाटा मेमोरियल अस्पताल के 262 ऑन्कोलॉजिस्टों ने भी अस्पताल द्वारा जारी एक चेतावनी पत्र पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसमें रोगियों से तुरंत डॉक्टर से परामर्श करने और अप्रमाणित घरेलू उपचार के साथ आगे नहीं बढ़ने का आग्रह किया गया है।

वायलेंट हीरो का दौर: ताहिर

हाल के वर्षों में नैतिक रूप से जटिल और हिंसक नायकों का उदय हुआ है। ये किरदार अब सिर्फ अच्छे या बुरे नहीं होते, बल्कि वे ऐसे त्रुटिपूर्ण व्यक्ति होते हैं, जो व्यक्तिगत न्याय, बदला या अस्तित्व के लिए प्रेरित होते हैं। ऐसा ही एक किरदार है विक्रांत, जिसे ताहिर राज भसीन ने ये काली काली आंखें में निभाया है। दूसरे सीजन में, विक्रांत एक बहुआयामी व्यक्तित्व बन जाता है। ताहिर के सटीक अभिनय ने इस किरदार में गहराई और वास्तविकता का भाव जोड़ा है। विक्रांत सिर्फ हालात का शिकार नहीं है, बल्कि अपनी किस्मत का स्वयं निर्माता है।ताहिर कहते हैं, ÷विक्रांत इच्छा और हताशा, प्रेम और बदले के बीच फंसा हुआ है। ये काली काली आंखें में उसकी यात्रा दो सीजन तक असहायता, अपराध बोध, मुक्ति और जीवन की कठोर सच्चाइयों से गुजरती है। उसकी कमजोरियों में दर्शकों को मानवीय आत्मा की जटिलता नजर आती है।

राग दरबारी

सांस खींचता लोकतंत्र

मुखिया जी ने अपने चौपाल के खबरी पटवारी लाल से पूछा- तुम तो लाल बुझक्कड़ हो पटवारी। झारखंड महाराष्ट्र घूम-गम कर आए हो और लोकतंत्र के महापर्व का आनंद उठाए हो । तुमने क्या देखा और समझा है। मुखिया जी सच कहूं तो अपना लोकतंत्र सांस खींच रहा है। अंतिम सांस खींचते में बहुत देर नही हैं। नेताओं ने आपसी भाईचारे को तारतार कर दिया है। अब तो कहने के लिए लोकतंत्र दिख रहा है। सचमुच! नेताओं ने लोकतंत् की मर्यादा की स्तर को गिरकर रख दिए हैं। हमे यह देखने को मिला है। संविधान की शपथ लेने वाले लोग जब संविधान की मर्यादा को बांसपर टांग दे रहे हैंतो लोकतंत्र की दुर्गति होना निश्चित हैं ।हमें देखने को यंह भी मिला है कि जिसके पास चुनाव लड़ने के लिए धन होगा चुनाव वही जीतेगा। जिसके पास गुंडे होंगे और असामाजिक तत्व होंगे उसकी जीत की गारंटी होगी। संविधान की शपथ लेने वाले चुनाव आयोग जिसके पक्ष में होगा उसकी जीत की गारंटी तय होगी । पहले तो हमने ऐसा नहीं देखा हैं। पहले वैलेट पेपर से मतदान होता था तो ऐसा नहीं होता था। सत्ता हथियाना के लिए आपसी सौहार्द खंडित नहीं किया जाता था । हिंदू हो मुसलमान हो एक साथ मिलकर लोकतंत्र का महापर्व मनाया करते थे। अब तो जाति में धर्म में मजहब में लोकतंत्र को बांट दिया गया है। ऐसे में लोकतंत्र सांस खींच रहा है यह कहना अतिशयोक्ति नहीं है? महाराष्ट्र के चुनाव में यह मुझे देखने को मिला। चुनाव जीतने की मशीनरी जिसके पास होगी वह चुनावंव जीतेगा। महाराष्ट्र चुनाव में कितने करोड रुपए खर्च हुए हैं यह शोध का विषय है। किसको कैसे जितना है। बड़े नेताओं के प्रचार में हमने सुना बटोगे तो काटोगे। वोट बटोरने के लिए÷यह संबोधन कहां तक उचित है? इस दर्शन को अब तक हम भी नहीं समझ पाए हैं। शासक दल की मशीनरी जब विपक्ष के विरोध खड़ी होगी तो चुनाव का मने मतलब क्या रह जाता है? सच मुखिया जी-चुनाव जीतने के लिए जो तिकड़म किया? जाता है वह संविधान के दायरे में है ही नही? लोकतंत्र के लिए यह घोर चिंता का विषय है ! अगर इसी तरह की स्थिति बनी रही तो एक दिन लोकतंत्र की अंतिम सांस रुक जाएगी। लोकतंत्र को बचाना है तो देश के बुद्धिजीवियों लेखको कवियों को सच के पक्ष में खड़ा होना होगा।

अरविंद विद्रोही

किसानों का खाद के संकट का वार सरकार सात समुंदर पार-जीतू पटवारी

इंदौर। मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुये बताया है कि केंद्र और राज्य की भाजपा सरकारें देश की खेती-किसानी पर गहरा आघात कर रही है। एक तरफ किसानों को पर्याप्त समर्थन मूल्य नहीं दिया जाता, दूसरी ओर उन्हें समय पर खाद उपलब्ध नहीं कराया जाता। साथ ही खेती की लागत इतनी बढ़ा दी गई है कि किसानों का लागत मूल्य भी नहीं निकल पा रहा है।

मध्य प्रदेश के किसान कई-कई दिनों तक खाद लेने के लिए कतारों में खड़े हैं। भाजपाई सत्ता की बर्बरता के चलते पुलिस की लाठियां खा रहे हैं और मध्य प्रदेष के मुख्यमंत्री इसका संज्ञान लेने की अपेक्षा सात समुंदर पार सत्ता का लुफ्त उठा रहे हैं।

मध्य प्रदेश में रबी सीजन में गेहूं, चना, मटर, सरसों, गन्ना, अलसी इत्यादि प्रमुख फसलें उत्पादित की जाती है।

डीएपी खाद का संकट गहराया- मध्य प्रदेश और देश में डीएपी खाद का गहरा संकट है। प्रदेश में रबी सीजन में भारत सरकार द्वारा 8 लाख मेट्रिक टन डीएपी उपलब्ध कराने की सहमति प्रदान की थी। मगर दुर्भाग्यपूर्ण है कि 20 नवंबर 2024 तक मात्र 4.57 लाख मेट्रिक टन डीएपी उपलब्ध कराई गई और अब तक प्रदेश में मात्र 2.91 लाख मेट्रिक टन डीएपी का विक्रय किया गया।

डीएपी और काम्पलेक्स खाद सिर्फ बोवनी के समय ही प्रयुक्त किया जाता है। अभी अक्टूबर-नवम्बर माह बोवनी का चरम समय होता है, मगर भारत सरकार द्वारा डीएपी उपलब्ध कराये जाने के आष्वासन का आधा खाद भी उपलब्ध नहीं है।

दुर्भाग्यपूर्ण बात है कि जहां प्रदेष में यूरिया की आवष्यकता 20 लाख मेट्रिक टन की है। वहां उपलब्धता 12.70 लाख मेट्रिक टन मात्र की है और 20 नवंबर 2024 तक इसका विक्रय 7.69 लाख मेट्रिक टन मात्र किया गया है। यूरिया को रबी सीजन में कम से कम तीन बार प्रयुक्त किया जाता है। एक बोवनी के वक्त, दूसरे और तीसरी बार बोवनी के बाद। अर्थात नीचे दिये गये चार्ट से यह स्पष्ट है कि केंद्र और प्रदेश की भाजपा सरकारों ने खेती को और किसानों की आमदनी को गहरे संकट में डाल दिया है।

मध्यप्रदेष में रबी सीजन 2024-25 में उर्वरक संकट

(मात्रा लाख मेट्रिक टन में)

उर्वरक	रबी 2023-24 में विक्रय	भारत सरकार द्वारा दी गई सहमति	20 नवंबर 2024 तक उपलब्धता	विक्रय
यूरिया	18.82	20	12.70	7.69
डीएपी	6.93	8	4.57	2.91
एनपीके	3.43	6	4.58	3.41
डीएपीएनपीके	10.36	14	9.15	6.32
एसएसपी	4.23	6.50	7.31	3.49
एमओपी	0.34	0.60	0.79	0.30
योग	33.75	41.10	29.95	17.80

किसानों पर मोदी सरकार का वार-खाद की सब्सिडी तार-तार

1. खाद की सब्सिडी में कटौती - 'खाद की सब्सिडी' में 87,238 करोड़ रू. की कटौती व 'न्यूट्रिएंट सब्सिडी' में 41,122 करोड़ रू. की कटौती।

(द्व) तीन कृषि विरोधी काले कानूनों के विरोध में पैदा हुए किसान आंदोलन के एवज में भाजपा की बदला लेने की मंशा के चलते पिछले 2 साल में ही खाद की सब्सिडी में भयंकर कटौती की गई।

साल खाद पर सब्सिडी

2022-23 2,51,340 करोड़ रू.

2023-24 (Revised) 1,88,902 करोड़ रू.

2024-25 1,64,102 करोड़ रू.

यानी 2 साल में सब्सिडी काटी = 87,238 करोड़ रू.

(ii) 'न्यूट्रिएंट सब्सिडी (DAP/NPK /MOP)Ó भी काट दी गई।

साल न्यूट्रिएंट सब्सिडी

2022-23 86,122 करोड़ रू.

2023-24 60,300 करोड़ रू.

2024-25 45,000 करोड़ रू.

यानी 2 साल में ''न्यूट्रिएंट सब्सिडी'' काटी = 41,122 करोड़ रू.।

2. साल 2024-25 में DAP के स्टॉक में 14 लाख टन की कमी।

01 अक्टूबर, 2023 को DAP का स्टॉक था = 30 लाख टन।

01 अक्टूबर 2024 को DAP का स्टॉक था = 16 लाख टन।

यानी रबी 2024 की शुरुआत में क।च् का स्टॉक 14 लाख टन कम था। इसकी पूरी जानकारी भारत सरकार को थी। पर इसके बावजूद भी अगस्त-सितंबर में क।च् आयात कर यह स्टॉक पूरा नहीं किया गया। किसान विरोधी षडयंत्र साफ है।

मध्यप्रदेश के सोयाबीन किसानों से सौतेला व्यवहार

श्री पटवारी ने सोयाबीन की फसल लगाने वाले किसानों के साथ हो रहे सौतेले व्यवहार को लेकर एक बड़ा खुलासा करते हुये बताया कि मध्यप्रदेश में लगभग 52 लाख हेक्टेयर भूमि में सोयाबीन की बुवाई हुई है और 55 से 60 लाख टन मध्यप्रदेष में सोयाबीन उत्पादित हुआ है। सोयाबीन किसानों को फसलों के दाम लागत मूल्य जितने भी नहीं पा रहे थे। जिसके चलते देश के कृषि मंत्री और प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान ने प्राईस सपोर्ट स्कीम पर सोयाबीन को समर्थन मूल्य 4892 रूपये प्रति क्विंटल खरीदने का किसानों को आष्वासन दिया था। एक चौकाने वाला खुलासा हुआ है कि राज्य सरकार ने खरीफ 2024-25 सीजन के लिए 10 सितम्बर 2024 को 27.34 लाख मेट्रिक टन सोयाबीन खरीदने का अनुरोध किया था।

मगर प्रदेश के साथ सौतेला व्यवहार करते हुये मात्र 13,68,045 मेट्रिक टन सोयाबीन खरीदने की अनुमति ही केंद्र द्वारा प्रदान की गई। उसमें से भी 21 नवंबर 2024 तक मात्र 56768.85 मेट्रिक टन सोयाबीन 25 अक्टूबर 2024 से खरीदा गया।

प्रदेश के प्रधानमंत्री महाराष्ट्र की चुनावी सभाओं में यह कह चुके हैं कि राज्य में सरकार बनने के बाद किसानों को सोयाबीन का समर्थन मूल्य 6000 रूपये दिया जायेगा, तो फिर मध्य प्रदेश के किसानों के साथ यह सौतेला व्यवहार क्यों।

5 हजार करोड़ का फिर कर्ज लेगी मप्र सरकार

आज सरकार के खाते में पहुंच जाएगी रकम

इंदौर। मप्र की मोहन यादव सरकार एक बार फिर 5 हजार करोड़ रुपए का कर्ज लेने जा रही है। यह ऋष्टा ई ऑक्शन के जरिए स्टाक गिरवी रखकर लिया जाएगा। लोन की यह राशि दो अलग-अलग कर्ज के रूप में ली जा रही है, जो 2500-2500 करोड़ रुपए की है। 27 नवंबर को सरकार के खाते में लोन की यह रकम पहुंच जाएगी। जानकारी के मुताबिक मोहन सरकार की 20 साल के लिए 2500 करोड़ और 14 साल के लिए 2500 करोड़ लेने की तैयारी है। पिछले 11 महीने में सरकार 40 हजार 500 करोड़ रुपए का कर्ज ले चुकी है है। मप्र की जनता पर 3 लाख 90 हजार करोड़ का कर्ज का बोझ हो चुका है। राज्य सरकार आरबीआई के माध्यम से यह कर्ज उठाएगी। इसके लिए सरकारी बांड या स्टॉक को गिरवी रखकर धनराशि जुटाई जाएगी। ई-ऑक्शन प्रक्रिया पूरी होने के बाद 27 नवंबर को यह रकम राज्य सरकार के खजाने में आ जाएगी।

11 महीने में 40,500 करोड़ का कर्ज

सरकार के वित्तीय रिकॉर्ड पर नजर डालें तो यह इस साल का नया बड़ा कर्ज होगा। पिछले 11 महीनों में, राज्य सरकार ने 40,500 करोड़ रुपये का कर्ज लिया है। यह धनराशि राज्य की विकास योजनाओं और अन्य खर्चों के लिए इस्तेमाल की गई है।

चार माह में देनी होगी शासकीय सेवकों के भ्रष्टाचार के मामलों में अभियोजन की स्वीकृति

इंदौर। राज्य में शासकीय सेवकों पर चल रहे भ्रष्टाचार के मामलों में संबंधित विभाग के आला अफसरो द्वारा द्वारा अभियोजन की स्वीकृति दिये जाने जैसै फेसले को लटकाकर नहीं रख सकेंगे। भ्रष्टाचार के मामले में केंद्र सरकार ने नई गाइडलाइन तय करते हुए इसे लेकर राज्यों को निर्देश दिए हैं, कि भ्रष्टाचार के मामलों में अभियोजन की स्वीकृति देने में विलंब नहीं होना चाहिए।

केंद्र सरकार का राज्यों को निर्देश, अभियोजन की स्वीकृति देने में विलंब नहीं होना चाहिए

अब संबधित विभाग अभियोजन की स्वीकृति को लटकाकर नहीं रख सकेंगे

कलेक्टर, एसडीएम, एसडीओ नगर निगम आयुक्त और तहसीलदार भी आरोपियों में शामिल

भारत सरकार के कार्मिक लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय ने सभी राज्यों को इस संबंध में पत्र जारी किया है। इन निर्देशो के अुनसार मध्य प्रदेश में भ्रष्टाचार के मामले में अब 4 महीने के भीतर संबधित विभाग को अभियोजन की स्वीकृति देनी होगी। इसके आधार पर सामान्य प्रशासन विभाग ने सभी विभाग प्रमुखों को निर्देश दिए हैं, कि भ्रष्टाचार

के मामले में वैसे तो तीन माह में अभियोजन की स्वीकृति दी जानी चाहिए, पर विशेष परिस्थिति में यह अवधि अधिकतम एक माह बढ़ाई जा सकती है।

गौरतलब है कि कई ऐसे अफसर है, जो सेवा में रहते हुए भ्रष्टाचार के मामले में घिरे है, लेकिन जॉच एजेंसियां संबधित विभाग से अभियोजन की स्वीकृति न मिलने के कारण उनके खिलाफ कार्यवाही को आगे नहीं बढ़ा सकी। इनमें से कई अधिकारी तो रिटायर भी हो गए। लेकिन अब केंद्र सरकार द्वरा दिये गये निर्देशो में कहा गया है, कि ऐसे मामलों में चार माह के भीतर आरोपित शासकीय सेवक के विरुद्ध अभियोजन की स्वीकृति दी जाए। जानकारी के मुताबिक मध्य प्रदेश में 27 विभागों में 290 से अधिक अधिकारी कर्मचारियों के खिलाफ प्रकरण लोकायुक्त और आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (ईओडब्ल्यू) में चल रहे हैं, जिनमें अभियोजन की स्वीकृति लंबित है। विभागों की तरफ से अभियोजन की स्वीकृति में देरी के चलते राज्य सरकार द्वारा मंत्री समूह की कमेटी बना चुकी है।

कटाक्ष

घाणी की फिर बैल

चुनाव आते ही हमें दे वादों के फूल
जीत अगर वे सब गये जाते सारे भूल

चलता कुर्सी वास्ते नये-नये ही खेल
जनता बनती है सदा घाणी की फिर बैल

बजता नहीं महफ़िल में ठीक ढ़ंग से साज
हुट होता है वो वहां उतरा सारा ताज

राजनीति तो बन गई देखो यहां दुकान
सुबह शाम बिकता यहां सम्प्रदाय सामान

नेता की चलती यहां आपस में तकरार
औछे शब्दों से चले उनका ही हथियार
कब तक ग़रीब झेलते महंगाई की मार
जिससे भी मिलता नहीं उसको कभी न प्यार

महंगाई की मार से बच सका नहीं कोय
आम आदमी को सदा धोबन बनकर धोय

घर घर में होती सदा जिसकी चर्चा आम
महंगाई ने छिन लिया सारा ही आराम

मेहमान को देखकर चूल्हा रहे उदास
खाली-खाली जेब है राशन है ना पास

महंगाई के जम गये अंगद जैसे पांव
अब तो ये हटती नहीं लगा खूब ही दांव

रमेश मनोहरा
शीतला माता गली जावरा (म.प्र.)
457226, जिला रतलाम, मो. 9479662215

मप्र में दरकिनार नेताओं की नई उम्मीद

सरकार और संगठन में आने के बढ़े आसार

इंदौर। भाजपा संगठन चुनाव के तय कार्यक्रम के तहत फरवरी तक तस्वीर साफ हो जाएगी। इस बीच मप्र भाजपा में उपजे असंतोष को पाटने की कोशिश और सरकार बनने पर हाशिए पर चल रहे नेताओं को एडजस्ट करने का भी भरोसा दिया गया है। खासकर बुंदेलखंड के गोपाल भार्गव और भूपेन्द्र सिंह जैसे दिग्गज नेताओं को संगठन और सरकार में शामिल किए जाने की उम्मीद बन गई है। इन नेताओं के क्रियाकलापों और नजदीकी लोगों से भी ऐसे संकेत मिल रहे हैं।

मोहन यादव सरकार में शामिल नहीं किए जाने और हासिए पर धकेले जाने के बाद कई बार सार्वजनिक तौर पर अपनी नाराजगी बता चुके ये नेता इन दिनों शांत नजर आ रहे हैं।

सियासी गलियारों में बुंदेलखंड के नाराज दिग्गज नेताओं में गोपाल भार्गव और भूपेन्द्र सिंह को एडजस्ट किए जाने की चर्चा जोरों पर है। इन नेताओं द्वारा फिलहाल बरती जा रही शांति भी ऐसे ही संकेत दे रही है। मप्र विधानसभा के सबसे ज्यादा चुनाव जीतने वाले, करीब 20 साल तक कैबिनेट मंत्री रहने वाले दिग्गज ब्राह्मण नेता के बारे में चर्चा तेज है कि फरवरी में संगठन चुनाव के बाद उन्हें सरकार में शामिल किया जा रहा है।

वहीं भूपेन्द्र सिंह की मौजूदा सक्रियता बता रही है कि वो संगठन में अपनी अहम जगह बनाने के लिए प्रयासरत है। खासकर उनकी नजर प्रदेश अध्यक्ष पद पर हैं। फिलहाल वीडी शर्मा ब्राह्मण कोटे से प्रदेश अध्यक्ष हैं। विपक्ष द्वारा ओबीसी मुद्दे को दी जा रही हवा को देखते हुए भूपेन्द्र सिंह का दावा मजबूत भी नजर आ रहा है।

संगठन चुनाव बाद मंत्रिमंडल फेरबदल की उम्मीद

सियासी गलियारों में चर्चा है कि मोहन यादव मंत्रिमंडल में संगठन चुनाव के बाद बड़ा फेरबदल तय है, क्योंकि संगठन चुनाव के जरिए कई वरिष्ठ और दिग्गज विधायकों को संगठन में एडजस्ट किया जाएगा। साथ ही कई नेताओं को सरकार में एडजस्ट किया जाना है।

ऐसे में चुनाव के बाद जो नेता संगठन में जगह पा चुके होंगे, उनको मंत्रिमंडल से रूखसत कर नाराज और वरिष्ठ नेताओं को जगह दी जाएगी।

लोकप्रिय चेहरों की कमी उपचुनाव में खली

विजयपुर और बुधनी उपचुनाव के परिणाम से साफ है कि मोहन यादव नए नवेले मुख्यमंत्री होने के साथ मंत्रिमंडल में बडे चेहरों की कमी चुनाव अभियान में नजर आयी।

मौजूदा मंत्रिमंडल में कोई ऐसा दमदार चेहरा नजर नहीं आया, जो हर जगह सर्वमान्य हो या जाति या वर्ग विशेष के चेहरे के तौर पर पहचान रखता हो। चुनावी प्रबंधन में पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह के संकटमोचक कहे जाने वाले भूपेन्द्र सिंह को सरकार और संगठन में स्थान नहीं होने के कारण पार्टी उनका उपयोग नहीं कर पायी।

इसी तरह बुंदेलखंड ही नहीं एमपी के बड़े ब्राह्मण नेता माने जाने वाले गोपाल भार्गव ने अपने आप को रहली विधानसभा तक सीमित कर लिया। दमोह के कद्दावर नेता जयंत मलैया उम्र के चलते भले कोई दावेदारी नहीं कर रहे हैं, लेकिन पार्टी या सरकार उनके अनुभव का उपयोग कर सकती है। जयंत मलैया बुंदेलखंड ही नहीं बल्कि मध्य प्रदेश के जाने माने जैन समाज का चेहरा है।

दूसरी पंक्ति के विधायकों को भी उम्मीद

दिग्गजों के अलावा मौजूदा विधायकों में कई ऐसे विधायक हैं, जो तीन और चार बार विधायक बन चुके हैं। उनकी फेहरिस्त लंबी है। सागर जिले की बात करें, तो सागर से शैलेन्द्र जैन और नरयावली से प्रदीप लारिया चौथी बार विधायक बने हैं। जैन और एससी समुदाय के कारण मंत्री पद के प्रबल दावेदार हैं।

छतरपुर में ओबीसी महिला नेता ललिता यादव फिर मंत्री बनने की इच्छुक हैं। टीकमगढ के हरीशंकर खटीक भी मंत्री पद की दावेदारी कर रहे हैं।

पन्ना में दिलीप अहिरवार को स्थान मिला है, लेकिन वरिष्ठ विधायक और पूर्व मंत्री बृजेन्द्र प्रताप सिंह को भी मंत्रीपद की उम्मीद है।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वत्वाधारी एवं प्रधान संपादक सुनील वर्मा के लिए डीबी कार्प प्रॉ.लि. प्रेस, 44-46/ए, सेक्टर - एफ , इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड, इन्दौर से मुद्रित तथा 1/4, परदेशीपुरा, इन्दौर (म.प्र.) सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इन्दौर रहेगा। * मो.: 9425491979, E-mail: janbhavana.ind@gmail.com